दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 04
अंकः-64
मुरादाबाद
24 June 2024
(Monday)
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

NEET-UG Row- नीट-यूजी परीक्षा में कथित धांधली को लेकर मचे बवाल के बीच पहली एफआईआर, सीबीआई ने दर्ज किया मामला

विपक्ष और कई संगठनों ने नीट यूजी का पेपर लीक होने का आरोप लगाकर मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। ऐसे में केंद्र सरकार ने नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी। सीबीआई भी मामले में लगातार कार्रवाई कर रही है। पेपर लीक के मामले ने इन दिनों देशभर में सुर्खियां बटोरीं हैं। अब खबर है कि नीट-यूजी में अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने एफआईआर दर्ज की है। एजेंसी से जुड़े अधिकारी ने इस बात की जानकारी दी है। सीबीआई ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों

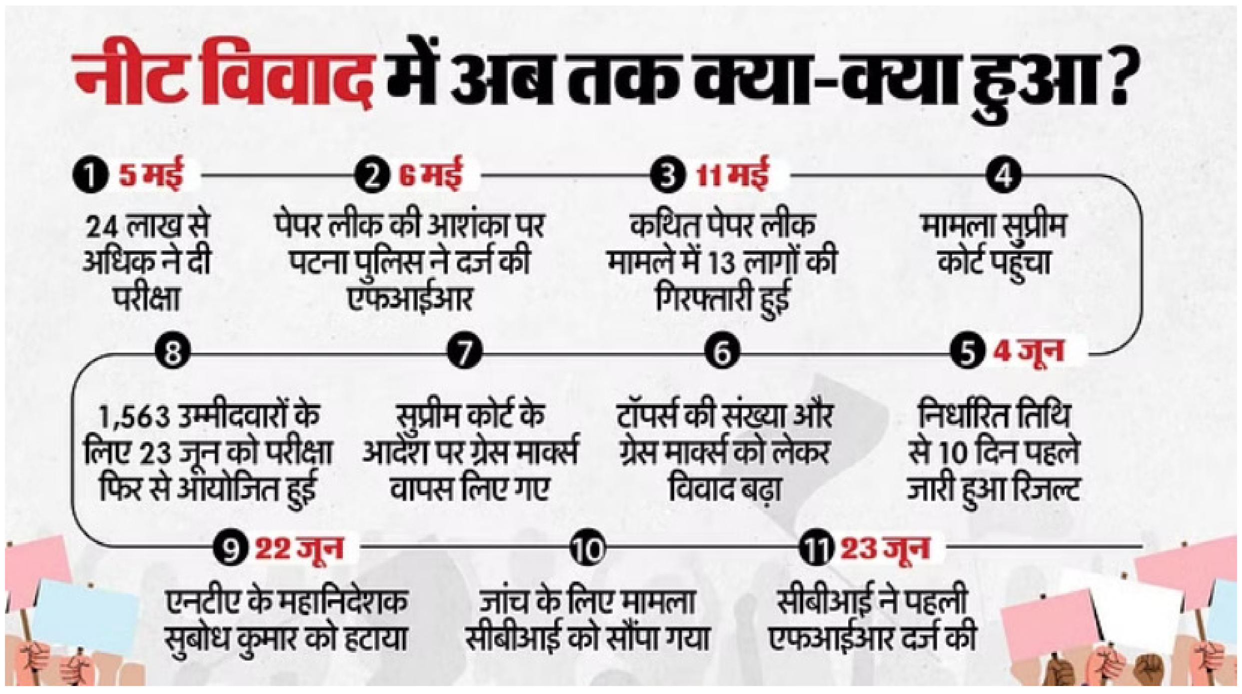

के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 5 मई को आयोजित की कई नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओ और धोखाधड़ी के मामले सामने आए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि परीक्षा प्रक्रिया के संचालन में पारदर्शिता के लिए मामले को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया है। इससे पहले बिहार पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को भी गिरफ्तार किया था। वहीं, नीट पेपर लीक का कनेक्शन महाराष्ट्र में भी मिला है। पुलिस ने दो अध्यापकों से पेपर लीक मामले में पूछताछ की है। जिन अध्यापकों से पूछताछ हुई है, उन्हें नांदेड़ की आंतकरोधी स्कवॉड ने शक के आधार पर पकड़ा। सीबीआई को सौंपी गई है पेपर लीक मामले की जांच -बता दें कि विपक्ष और सामाजिक संगठनों ने नीट यूजी का पेपर लीक होने का आरोप लगाया और मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी। ऐसे में केंद्र सरकार ने नीट पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को सौंपी।

बिहार पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने पूछताछ में स्वीकार किया कि परीक्षा से एक दिन पहले ही पेपर लीक हो गया था। पुलिस अब सॉल्वर गैंग के लोगों से भी पूछताछ कर रही है। एनटीए महानिदेशक को भी बदला गया-

केंद्र सरकार ने अनियमितताओं की शिकायत के बाद नीट और यूजीसी नेट समेत कई अहम परीक्षाएं कराने वाली एजेंसी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को उनके पद से हटा दिया है। साथ ही एक पैनल का गठन किया है, जो नीट परीक्षा में हुई अनियमितताओं की जांच करेगा। बीती 5 मई को हुई नीट यूजी की परीक्षा में करीब 24 लाख छात्र शामिल हुए थे, लेकिन जैसे ही 4 जून को रिजल्ट घोषित किए गए और उसमें 1500 से ज्यादा छात्रों को ग्रेस मार्क्स देने का खुलासा हुआ तो मामला अदालत में पहुंच गया। इसके बाद एनटीए ने छात्रों को दिए ग्रेस मार्क्स हटाने और इन छात्रों की परीक्षा फिर से लेने का फैसला किया। आज इन 1500 से ज्यादा छात्रों की फिर से नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की जा रही है। साथ ही नीट के कथित पेपर लीक मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई भी चल रही है।

वार: 'साफ सुथरे ढंग से एक परीक्षा नहीं करा पा रही मोदी सरकार', नीट पेपर लीक मामले पर भड़कीं प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि आज युवाओं के भविष्य के सामने भाजपा सरकार एकमात्र सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हो चुकी है।एक के बाद एक परीक्षाओं में धांधली सामने आने पर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने नीट पेपर लीक मामले में मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाया। कहा कि केंद्र सरकार ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को माफिया और भ्रष्टों के हवाले कर दिया है। आज होने वाली थी नीट की परीक्षा

बता दें, सरकार ने 23 जून यानी आज होने वाली नीट-पीजी परीक्षा भी स्थगित कर दी है। इससे पहले शिक्षा मंत्रालय ने पेपर लीक के आरोपों के बाद यूजीसी-नेट परीक्षा को रद्द कर दिया था। यह परीक्षा 18 जून को हुई थी और अगले ही दिन इसे रद्द कर दिया गया था। वहीं, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष तरीके से संचालित करने के लिए विशेषज्ञों की भागीदारी के साथ एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।इसके अलावा, केंद्र ने शनिवार को एजेंसी के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटा दिया था और मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में हुई अनियमितताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी। देश की बड़ी परीक्षाओं का ये हाल- इन्हीं सब पर प्रियंका गांधी वाड्रा ने निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि नीट-यूजी पेपर लीक, नीट-पीजी परीक्षा, यूजीसी-नेट और सीएसआईआर-नेट परीक्षा रद्द। देश की कुछ सबसे बड़ी परीक्षाओं का आज ये हाल है। लालची और चाटुकार किस्म के अयोग्य... उन्होंने आगे कहा, %भाजपा राज में समूची शिक्षा का ढांचा माफियाओं-भ्रष्टाचारियों के हवाले हो चुका है। लालची और चाटुकार किस्म के अयोग्य लोगों के हाथ में देश की शिक्षा और बच्चों का भविष्य सौंप देने की राजनीतिक जिद और अहंकार ने पेपर लीक, परीक्षा रद्द, कैंपसों से पढ़ाई-लिखाई का विलोप और राजनीतिक गुंडागर्दी को हमारी शिक्षा-व्यवस्था की पहचान बना दिया है।% मोदी जी सिर्फ तमाशा देख रहे- कांग्रेस नेता ने कहा कि हालत ये हो गई है कि भाजपा सरकार साफ-सुथरे ढंग से एक परीक्षा तक नहीं करा सकती। आज युवाओं के भविष्य के सामने भाजपा सरकार एकमात्र सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़ी हो चुकी है। देश के काबिल युवा अपना सबसे कीमती समय, सारी ऊर्जा भाजपा के भ्रष्टाचार से लड़ने में गवां रहे हैं और मजबूर मोदी जी सिर्फ तमाशा देख रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आठवले बोले- चुनाव में दलितों-अल्पसंख्यकों को साथ लाने की जरूरत, 8-10 सीट की मांग करेगी आरपीआई

आरपीआई नेता रामदास आठवले ने कहा कि विधानसभा चुनाव जीतने के लिए दलितों और अल्पसंख्यकों को महायुति के पाले में लाना होगा। उन्होंने कहा कि वह महायुति नेताओं की बैठक में यह बात रखेंगे। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को सलाह दी कि विधानसभा चुनाव में जीत के लिए उसे दलितों और अल्पसंख्यकों को अपने साथ लेने की जरूरत है। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उनकी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) अक्तूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आठ से दस सीट की मांग करेगी। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीट हैं।सत्तारूढ़ गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रांकपा) शामिल है। आठवले ने कहा कि हम अगले महीने वाले विधानपरिषद चुनाव में एक सीट की भी मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल के प्रस्तावित विस्तार में उन्हें एक मंत्री पद मिलना चाहिए। फडणवीस ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह उनकी मांग पर विचार किया जाएगा।आठवले ने कहा कि वह चाहते थे कि उनकी पार्टी शिरणी और शोलापुर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े, लेकिन भाजपा ने उनके अनुरोध को नहीं माना।

आकाश आनंद फिर उत्तराधिकारी घोषित: बसपा सुप्रीमो मायावती का एलान, राष्ट्रीय संयोजक का पद भी किया बहाल

मायावती के भतीजे आकाश आंनद एक बार फिर से बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर बना दिए गए हैं। यह फैसला लखनऊ में हुई पार्टी बैठक में लिया गया।आकाश आनंद एक बार फिर से बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर बन गए हैं। सोमवार को लखनऊ में हुई बैठक में यह फैसला किया किया।

मायावती ने आकाश आनंद को वापस से वही पद सौंप दिया है। इस मौके पर मायावती ने कहा कि बसपा आने वाले चुनावों में मजबूती के साथ लड़ती हुई दिखेगी। साथ ही वह किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन करने नहीं जा रही है। वह अकेले ही चुनाव लड़ेगी। दूर हुई मायावती की नाराजगी- बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की भतीजे आकाश आनंद से नाराजगी दूर हो गई है। दरअसल, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बसपा प्रमुख मायावती ने लोकसभा चुनाव में हार के बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की। बैठक में भतीजे आकाश ने मायावती के पैर छुए। चुनाव दौरान हटे थे पद से-लोकसभा चुनाव के दौरान अपनी एक स्पीच के बाद मायावती ने उन्हें इस पद से हटा दिया था। तब मायावती ने कहा था कि उन्हें अनुभव नहीं है। अभी उन्हें अनुभव हासिल करना होगा एक दिन पहले बने थे स्टार प्रचारक- बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराखंड व पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया था।

लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार की रविवार को होने वाली समीक्षा बैठक से पहले उनके इस फैसले को अहम माना जा रहा था। इस फैसले ने इस बात का इशारा दे दिया था कि आकाश आनंद की सक्रिय राजनीति में वापसी होने जा रही है।

केंद्र पर खरगे का करारा हमला, कहा- घोटाले के लिए सरकार के शीर्ष अधिकारी जिम्मेदार; स्टालिन ने भी कसा तंज

मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है और कहा कि भाजपा जितनी भी कोशिश कर लें- धांधली, भ्रष्टाचार और शिक्षा माफिया को बढ़ावा देने की अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। उन्होंने इसके लिए सरकार के शीर्ष अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है।नीट पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने कार्रवाई करते हुए एनटीए के डायरेक्टर जनरल पद से सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया है। फिलहाल उनकी जगह प्रदीप सिंह खरोला को नया डायरेक्टर बनाया गया है। लेकिन इस सब के बीच कांग्रेस की तरफ से केंद्र सरकार पर जुबानी हमले लगातार जारी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के बाद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी में नौकरशाही में फेरबदल को लेकर निशाना साधा और कहा कि इस धांधली की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों पर है।%नौकरशाहों को हटाना बर्बाद शिक्षा व्यवस्था का समाधान नहीं% मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया ङ्क (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एक को एक स्वायत्त निकाय के रूप में

पेश किया गया था, लेकिन वास्तव में इसे भाजपा और आरएसएस के कपट हितों की सेवा के लिए बनाया गया था। उन्होंने आगे लिखा नीट घोटाले की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों के दरवाजे पर रुकती है। लेकिन इस घोटले के बाद नौकरशाहों को हटाना भाजपा की बर्बाद की शिक्षा व्यवस्था की समस्या का समाधान नहीं हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह पद से हटाए गए- नीट विवाद में शनिवार को केंद्र सरकार ने हाल के दिनों में प्रभावित होने वाली चौथी प्रवेश परीक्षा, नीट-पीजी प्रवेश परीक्षा को भी स्थगित कर दिया और एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटाते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में धांधली की जांच सीबीआई को सौंप दी। वहीं मामले में शिक्षा मंत्रालय ने एजेंसी के कामकाज की समीक्षा करने और परीक्षा सुधारों की सिफारिश करने के लिए पूर्व इसरो प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पैनल का गठन किया है। शिक्षा व्यवस्था में शिक्षा माफिया ने की घुसपैठ- खरगे- मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे कहा कि नीट-पीजी की परीक्षा स्थगित कर दी और पिछले 10 दिनों में सभी चार परीक्षाओं को रद्द या स्थगित किया गया है। पेपर लीक, भ्रष्टाचार, धांधली और शिक्षा माफिया ने हमारे शिक्षा व्यवस्था में घुसपैठ कर ली है। जिसके बाद अब इस कार्रवाई का कोई मतलब और महत्व नहीं है क्योंकि अभी भी अनगिनत युवा पीड़ित हैं। राहुल-प्रियंका ने भी केंद्र पर साधा निशाना- वहीं इस पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शिक्षा माफिया और पेपर लीक रैकेट के सामने असहाय बताया था। इस दौरान कांग्रेस नेता ने दावा किया था भाजपा छात्रों के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है। जबकि कांग्रेस नेता और वायनाड लोकसभा सीट से कांग्रेस की उम्मीदवार प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि सरकार ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को माफिया और भ्रष्टाचारियों के हवाले कर दिया है। एमके स्टालिन ने भी कसा तंज- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मामले में केंद्र सरकार पर तंज कसा और कहा कि नीट-पीजी परीक्षा और यूजीसी-नेट को रद्द करना एक बार की घटना नहीं है। बल्कि ये केंद्रीकृत चयन की अक्षम और खराब व्यवस्था के ताबूत में अंतिम कील है। स्टालिन ने आगे कहा कि नीट-पीजी और यूजीसी-नेट को रद्द करने से हमारे हजारों डॉक्टर बुरी तरह हताश हैं।

संपादकीय Editorial

Kejriwal's bail stayed

The special court in Delhi surprised all parties by granting regular bail to Chief Minister Arvind Kejriwal. Kejriwal is accused in the liquor scam and was arrested under sections of PMLA (Prevention of Money Laundering Act). It is almost impossible to get bail under this Act. Former Deputy Chief Minister Manish Sisodia and former Health Minister Satyendra Jain have been in jail for a long time under the sections of this law and other legal provisions. They appealed to the Supreme Court, but more or less Sisodia was not granted bail even once. Satyendra remained out of jail for some time on health grounds, but had to return to jail. Cases were also made against former Jharkhand Chief Minister Hemant Soren under the sections of money laundering, so he too has been in jail since January 2024. His bail petitions have also been rejected. Telangana's 'Bharat Rashtra Samiti' party MP K. Kavitha is also in jail due to the liquor scam. Kejriwal was granted bail by the special court on the same arguments on the basis of which he was not granted bail by other courts. He was continuously being kept in judicial custody. In between, the Supreme Court had granted him special interim bail for election campaigning. After that, he had to return to jail on June 2. Anyway, Kejriwal's bail proved to be half-hearted, because the Enforcement Directorate (ED) challenged this decision of the lower court in the Delhi High Court and the High Court stayed the bail process until its hearing is completed. Now it is clear that Kejriwal's release from jail has been stopped for the time being. There is silence on the celebrations and future plans of Aam Aadmi Party (AAP). Actually, Kejriwal's stay in jail is a big punishment for AAP, so the party members were raising slogans of 'Satyamev Jayate' on the bail decision. Since the national convener of AAP was coming out of jail at the moment, they could celebrate. Now everything has been postponed. The High Court has started the hearing. We wanted to ask Kejriwal and AAP spokespersons and leaders whether the constitution, judiciary and democracy are still alive in the country or not? During the elections, a false narrative was created by the Congress that if the Modi government comes back, the constitution will be changed. Democracy will end. It is obvious that if the constitution is changed, the jurisdiction of the judiciary will also be affected. Reservation will also be abolished. This false narrative was also pushed forward by the Kejriwal group, because AAP has also been a part of the opposition coalition of India. Of course, the elections were also affected. It is clear from the mandate that the BJP also did not get a majority. It was reduced to 240 seats, as a result a coalition government has been formed in the country. What will Kejriwal say when he comes out of jail? The general elections have been completed. Only three MPs of AAP have been elected from Punjab. Kejriwal's Delhi has given 'zero'. Kejriwal's release from jail is very important for the party. Assembly elections are to be held in February 2025. The public image and internal crisis of AAP are very serious. The promise of giving Rs 1000 per month to women has to be fulfilled, because it is a budget announcement. Since Kejriwal is in jail, the cabinet meeting has not been held for a long time, as a result the approval of the projects is pending. The serious water crisis in Delhi also needs Kejriwal's intervention. Kejriwal is also planning to contest elections in Haryana, Maharashtra and Jharkhand, but what should be done now? Anyway, we will have to wait for the order of the High Court.

Foreign Policy: India faces challenge to keep close ties with 'close friend' Bangladesh; both neighbours should work together

By visiting India for the second time, Sheikh Hasina has sent a message. It remains to be seen what India can give to Bangladesh without compromising national interests. Bangladesh Prime Minister Sheikh Hasina is on her second visit to India within fifteen days. Prime Minister Modi wants to further strengthen the relationship between the two countries. But it also depends on what India can give to Bangladesh. Both Prime Minister Modi and Hasina are aware of the complex political and geopolitical dynamics of the South Asian region, in which the Quad is trying to counter the growing aggression of China. It can be assumed that to isolate China, India will make such proposals that she will not be able to refuse easily. This will also give Hasina some advantage in talks with the Chinese next month Sheikh Hasina has postponed joint military exercises with China. India wants early implementation of the $500 million credit line on defense. Hasina also rejected China's proposal to finance and participate in the development of the Teesta river. Bangladesh has a long-standing demand for equitable sharing of its waters, as per the agreement. But India has been unable to meet it as West Bengal does not agree to it. This time too, an agreement seems unlikely. The Ganga Water Treaty will expire in 2026 and should be renewed again for mutual satisfaction. If India misses it, China will get an opportunity to try to bring Bangladesh to its side. Therefore, India should fulfill the aspirations of its 'closest' and 'friendly' neighbour. Both India and Bangladesh have long-term visions, which need cooperation to fulfill them. India wants to become a 'developed' nation by 2047 and Bangladesh, a 'smart' nation. Economic development and social harmony are important for both countries. Illegal movement of humans (including alleged criminals), cattle, arms and narcotics across the border should be curbed. Bangladesh expects a loan from India. For this, it will also approach China. Although no new loan agreement is likely to be signed during Hasina's visit, such an announcement can be made in the joint statement. India wants speedy implementation of the Comprehensive Economic Partnership Agreement to promote investment and trade for mutual benefit. Since 2010, India has promised to give Bangladesh a loan of $7.36 billion. Bangladesh has been able to use only $1.73 billion or 23 percent of the promise till April this year. The terms of the existing Indian credit line are very strict. For example, about 65-75 percent of goods or services for every project must be purchased from India, which is delaying the implementation of the project. On the Chinese proposal to develop the Sonadia port, Hasina said that she hopes India will compensate for it. India is keen to forge a new bilateral economic partnership, and Mongla seaport is playing a major role. A new sea route extending to the Indo-Pacific is also on the agenda. Additionally, India aims to expand the 'SAGAR' project in the Indian Ocean region by enhancing maritime cooperation. Bangladesh aims to import more hydropower from Bhutan, which requires India's consent. It is expected that India may agree to use its territory to transfer power from Bhutan to Bangladesh. Discussions are underway between the two countries to soon inaugurate the Feni Moitri (Maitri) bridge for public transport and to open the second unit of the Rampal Moitri power plant. Both projects are expected to be symbolically opened during the bilateral meeting. Passenger traffic through the Maitri bridge connecting India-Bangladesh in South Tripura district is scheduled to begin by September this year. Given the complexities involved, Sheikh Hasina has invited Prime Minister Modi to visit Bangladesh. Some of these issues are likely to be discussed during that visit. Obviously, the two neighbours must work together, whether China has influence or not.

India-Canada relations: Tribute on the anniversary of Nijjar's murder... What is Prime Minister Justin Trudeau's problem?

At the G-7 summit held in Italy, Canadian Prime Minister Justin Trudeau on the one hand talks about resolving the issues between India and Canada with mutual harmony, while on the other hand, tribute is paid to Nijjar, declared a terrorist by India, in the Canadian Parliament on the anniversary of his murder. These days, relations between India and Canada are going through a very tense situation. The latest case is of the Canadian Parliament paying tribute to Khalistani terrorist Hardeep Singh Nijjar by observing a minute's silence on the anniversary of his murder. Nijjar, who was declared a terrorist by India in 2020, was shot dead by some unidentified persons on June 18 last year outside a gurdwara in the Surrey area of ??Vancouver city of Canada. Canadian Prime Minister Justin Trudeau had accused Indian agents of involvement in this murder. Although India had termed this allegation as baseless, bitterness entered the relations between the two countries from that time onwards. On June 18, Sikh protesters marked the anniversary of Nijjar's murder by holding a symbolic blood trial of Prime Minister Narendra Modi in front of the Indian Consulate in Canada. The trial, held on a block of Howe Street, included a mock jury of actors and a judge in a white curly wig, who invited the 'prosecutor' to present evidence of Modi's involvement in the murder in Surrey last year. Before the trial began, a procession of Modi's effigy in a cage and prison striped uniform was also taken out. Earlier, on June 11, a tableau of the Indira Gandhi assassination was also taken out in Toronto's Brampton area on the fortieth anniversary of Operation Blue Star. This year, there have been several protests outside the Indian Consulate in Canada, in which protesters burned Indian flags and trampled and spat on a cutout of Prime Minister Narendra Modi. In fact, such incidents have taken place several times in front of the Indian Consulate in Canada this year, and more so since last year. While tensions over the Khalistan movement in India and abroad go back decades, experts say Canada is seen as the country where the movement is strongest, and has therefore drawn sharp criticism in India, especially in the wake of Trudeau's allegations that India was involved in Nijjar's killing. In 2012, India's foreign minister had raised the issue of "revival of anti-India rhetoric in Canada" with then Prime Minister Stephen Harper, who was on a six-day visit to the country. Harper had said Canada was a supporter of a united India but refused to silence peaceful dialogue in support of Khalistan. "We cannot interfere with the right to political freedom of expression," Harper said. Trudeau also backed Harper's response when he was questioned about the presence of Sikh Khalistani militants in Canada during the G-20 summit in New Delhi last September. Outside India, Canada has the largest Sikh population, with around 770,000, representing about 2.1 per cent of that country's population. Sikhs make up less than one per cent of the population in other countries. Notably, Sikhs have been active in Canadian politics and have used the national political platform to their advantage, some of which India considers against its interests. For example, federal National Democratic Party leader Jagmeet Singh, who is Sikh, spent much of his early political career as an MP in Ontario lobbying for recognition of India's 1984 anti-Sikh riots as genocide. A motion condemning the 1984 riots as genocide was passed in Ontario in 2017. In 2018, Singh, who had by then become federal NDP leader, said the same should be done at the federal level. But it is interesting to know that the Canadian government has not done so till now. Jagmeet Singh's National Democratic Party is the fourth largest party in the Canadian Parliament. Apart from this, the political influence of this party can be gauged from the fact that it is in power in provinces like British Columbia and Manitoba and is the main opposition party in Alberta, Saskatchewan and Ontario and has members in the legislature of many provinces except Quebec, New Brunswick and Prince Edward Island. Recently, during the G-7 summit held in Italy, an informal meeting took place between Indian Prime Minister Narendra Modi and Canadian Prime Minister Justin Trudeau, in which efforts were made to solve common issues between the two countries through mutual harmony and cooperation. The pictures of the meeting of the two leaders were all over the Indian and Canadian media. All these incidents happened in the short span of this meeting. However, hurt by the Canadian Parliament observing a minute's silence in honour of Hardeep Singh Nijjar on the anniversary of his killing, the Indian Consulate General has organised a memorial service for the victims of the 1985 Air India Flight 182 (Kanishka) bombing in Vancouver, Canada. The Air India flight, which was flying from Canada to India via London on June 23, 1985, was bombed in 1985. The plane exploded off the Irish coast, killing all 329 people on board, including 86 children. This was the worst terrorist incident on Canadian soil. The memorial service is scheduled for June 23, 2024 at the Air India Memorial in the Ceperley Playground area of ??Stanley Park at dusk. It will be interesting to see how Canada takes this incident.The plane exploded off the Irish coast, killing all 329 people on board, including 86 children. This was the worst terrorist incident on Canadian soil. The memorial service is scheduled for June 23, 2024 at the Air India Memorial in the Ceperley Playground area of ??Stanley Park at dusk. It will be interesting to see how Canada takes this incident.The plane exploded off the Irish coast, killing all 329 people on board, including 86 children. This was the worst terrorist incident on Canadian soil. The memorial service is scheduled for June 23, 2024 at the Air India Memorial in the Ceperley Playground area of ??Stanley Park at dusk. It will be interesting to see how Canada takes this incident.The plane exploded off the Irish coast, killing all 329 people on board, including 86 children. This was the worst terrorist incident on Canadian soil. The memorial service is scheduled for June 23, 2024 at the Air India Memorial in the Ceperley Playground area of ??Stanley Park at dusk. It will be interesting to see how Canada takes this incident.

राजधानी समेत छह ट्रेनें लेट, चार चंदौसी होकर चलीं, लूप लाइन निर्माण के चलते बदला गया रूट

मुरादाबाद। रेलवे रामपुर और बरेली के बीच लूप लाइन का निर्माण करा रहा है। इसके चलते कई ट्रेनों का रूट बदला गया है। उधर राजधानी एक्सप्रेस समेत छह रेलगाड़ियों का संचालन देरी से हुआ।

रामपुर-बरेली के बीच लूप लाइन निर्माण के कारण रेलयात्रियों की परेशानी 26 जून तक बढ़ गई है। शनिवार को राजधानी एक्सप्रेस समेत छह ट्रेनें डेढ़ घंटा देरी से चलीं। जबकि गरीबरथ, असम असम एक्सप्रेस सहित चार ट्रेनों को रामपुर के स्थान पर चंदौसी होकर चलाया गया।सीनियर डीसीएम सुधीर सिंह ने बताया कि 20 से 26 जून तक ब्लॉक लिया गया है। इस बीच नॉन इंटरलॉकिंग व लूप लाइन निर्माण किया जाएगा। शनिवार को (20504) नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस 75 मिनट, (15211) डिब्रूगढ़-अमृतसर जननायक एक्सप्रेस 75 मिनट लेट पहुंची। (12204) अमृतसर-सहरसा गरीबरथ एक्सप्रेस 75 मिनट, (04096) आनंदविहार-अयोध्या स्पेशल एक्सप्रेस तीन घंटे, (12326) नंगलडैम-कोलकाता एक्सप्रेस 45 मिनट, (15128) नई दिल्ली-बनारस काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस 45 मिनट देरी से चली। यात्रियों को मुरादाबाद स्टेशन पर काफी इंतजार करना पड़ा। इन ट्रेनों का बदल गया रूट- 12204 अमृतसर-सहरसा गरीबरथ एक्सप्रेस वाया चंदौसी 15909 डिब्रूगढ़-लालगढ़ अवध असम एक्सप्रेस वाया चंदौसी 12369 हावड़ा-देहरादून कुंभ एक्सप्रेस वाया चंदौसी 15910 लालगढ़-डिब्रूगढ़ अवध असम एक्सप्रेस वाया चंदौसी अंबाला से सहरसा के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन- अंबाला से सहरसा के बीच मुरादाबाद होते हुए सोमवार 24 जून को एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। (04520) अंबाला छावनी-सहरसा स्पेशल एक्सप्रेस का संचालन अंबाला रेल मंडल करेगा। यह ट्रेन केवल एक फेरा लगाएगी। इसमें थर्ड एसी, स्लीपर व जनरल कोच शामिल रहेंगे। अंबाला से सोमवार शाम 745 बजे चलकर बुधवार सुबह 415 बजे सहरसा पहुंचेगी। रास्ते में मंडल के मुरादाबाद व बरेली स्टेशनों पर रुकेगी।

जमीन बेचने का झांसा देकर 50 लाख हड़पे, होटल संचालक समेत 8 पर मुकदमा, पति-पत्नी भी शामिल

मुरादाबाद-अमरोहा में धोखाधड़ी करने के आरोप में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसमें एक दंपती से शामिल है। पुलिस ने बताया कि मामला जमीन खरीदने से संबंधित है।जमीन बेचने का झांसा देकर कारोबारी से 50 लाख रुपये हड़प लिए। बाद में जमीन का बैनामा और एग्रीमेंट किसी दूसरे को करा दिया। मामले में पुलिस ने होटल संचालक समेत 8 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के श्योनाली गांव में कारोबारी जाहिद का परिवार रहता है।उन्होंने एक बीघा जमीन जोया के मोहल्ला पधानोवाला में रहने वाले यासीन और उनकी पत्नी मरियम से खरीदी थी। एक करोड़ रुपये में 15 अप्रैल 2023 को जमीन का सौदा हुआ था। इकरारनामा की शर्तों के आधार पर जाहिद ने जमीन पर कब्जा कर लिया था। इस जमीन की चारदीवारी कराकर दो दुकान बना ली थीं। दुकानों में टायर पंचर व कैंटीन का कार्य कर रखा है। आरोप है कि जाहिद ने 15 लाख रुपये बयाने के तौर पर दिए थे। इसके बाद 25 लाख रुपये मरियम और यासीन के खाते में ट्रांसफर किए। इस दौरान कुछ समय बाद जमीन का बैनामा कराने की बात हुई थी। इसके बाद 22 अप्रैल 2024 को 11लाख रुपये और दे दिए गए। जुलाई के महीने में बैनामा कराने की बातें हुईं। पीड़ित जाहिद ने जमीन का बैनामा कराने के लिए कहा तो यासीन और मरियम टालमटोल करने लगे। लेकिन यासीन और मरियम ने 6 मार्च 2024 को अमरोहा देहात थानाक्षेत्र के रायपुर खुर्द निवासी भूरी खातून के नाम बैनामा और एग्रीमेंट कर दिया। आरोप है कि 15 मई 2024 की सुबह दस बजे पीड़ित जाहिद दुकान पर बैठे हुए थे। तभी यासीन, मरियम व थूरी और पांच अज्ञात लोग जमीन पर कब्जा करने की नीयत से पहुंच गए और फर्जी व कूटरचित बैनामा दिखाते हुए दुकान में रखा समान फेंक दिया। विरोध करने पर जाहिद के साथ मारपीट की। जान से मारने की नीयत से गला दबा दिया। शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। तभी आरोपी जान से मारने की धमकी देने में भाग गए। इस मामले में एसपी कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर डिडौली पुलिस ने मरियम, यासीन व भूरी खातून और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, हत्या की कोशिश के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस जांच कर रही है।

मुरादाबाद को विकसित करने के लिए योगी सरकार ने खींचा खाका, सात साल में आर्थिक हब बनेगी पीतलनगरी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार ने मुरादाबाद के विकास के लिए महायोजना 2031 तैयार की है। सीएम योगी आदित्यनाथ मुरादाबाद को वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब के रूप में विकसित करना चाहते हैं। इसी के तहत औद्योगिक और लॉजिस्टिक पार्क के जरिए शहर के औद्योगिक विकास को गति देने की तैयारी की जा रही है। पीतलनगरी के नाम से मशहूर मुरादाबाद के लिए राज्य सरकार महायोजना 2031 लेकर आई है। इसके तहत शहर का विस्तार और विकास तो सुनिश्चित ही होगा, साथ ही इसे आर्थिक हब बनाया जाएगा। ओडीओपी में शामिल यहां के पीतल हैंडीक्राफ्ट और निर्यात उद्योग को भी बढ़ावा दिया जाएगा।सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि मुरादाबाद को वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब के रूप में विकसित किया जाए। इसी क्रम में औद्योगिक और लॉजिस्टिक पार्क के जरिए शहर के औद्योगिक विकास को गति देने की तैयारी है। यहां पीतल उद्योग से जुड़े आर्टिजन के लिए हस्तशिल्प ग्राम बनाने के साथ ही मेगा एमएसएमई पार्क के निर्माण का भी प्रस्ताव है।हाल ही में सीएम के सामने महायोजना का प्रस्तुतीकरण हुआ है। महायोजना में मुरादाबाद की भावी जरूरतों की पूर्ति के लिए सुदृढ़ आर्थिक आधार का निर्माण, सामाजिक-सांस्कृतिक एवं भौतिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जाना है। एसईजेड को नगर के अंदर मौजूद औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ने के लिए 36 मीटर चौड़े औद्योगिक गलियारे का भी विकास किया जाएगा। पूरी दुनिया में होता है पीतल की कलाकृतियों का निर्यात- मुरादाबाद के पीतल उत्पादों पर बने डिजाइन देश की संस्कृति, विरासत, इतिहास और विविधता को पूरी दुनिया में प्रदर्शित करते हैं। इनको सजाने के लिए उपयोग किए जाने वाले पैटर्न और डिजाइन विभिन्न स्त्रोतों से प्रेरित होते हैं। इनमें हिंदू देवी-देवताओं से लेकर मुगलकाल की पेंटिंग तक शामिल हैं। यहां से पूरी दुनिया में पीतल के उत्पाद निर्यात होते हैं। 1200 हेक्टेयर में बसेगी मेगा टाउनशिप शिवालिक- महायोजना के तहत मुरादाबाद में हस्तशिल्प ग्राम, मेगा एमएसएमई क्लस्टर, इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक पार्क, नॉलेज सिटी व मेडीसिटी के साथ ही 55 एकड़ में राज्य विश्वविद्यालय का निर्माण भी होगा। औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए कौशल विकास केंद्र, ऑडिटोरियम व कन्वेंशन सेंटर, 1200 हेक्टेयर में मेगा टाउनशिप शिवालिक और 130 हेक्टेयर में औद्योगिक व मिश्रत तथा 50 हेक्टेयर में आवासीय टाउनशिप का भी प्रस्ताव है। स्पोर्ट्स सिटी, आयुष पार्क, शुगरकेन प्रोसेसिंग क्लस्टर, कैटल कॉलोनी, मत्स्य मंडी और ट्रांसपोर्ट नगर का भी प्रस्ताव है। सालभर बाद सरपट दौड़ेगा मुरादाबाद- मुरादाबाद-ठाकुरद्वारा फोर लेन, रिंग रोड और पंडित नगला बाईपास स्थित रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण वर्ष 2025 तक हो जाएगा। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि तीनों महत्वपूर्ण परियोजना पूरी होने पर एक साल में मुरादाबाद सरपट दौड़ेगा। आम लोगों से लेकर कारोबारियों को काफी फायदा मिलेगा। पंडित नगला बाईपास रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज के 16 पिलरों का निर्माण शुरू हो गया है। पुल का निर्माण 18 माह में करने के लिए शासन ने लक्ष्य निर्धारित किया है। निर्माण की लागत एक अरब दो करोड़ रुपये है। कांवड़ यात्रा के दौरान भारी वाहनों को सिर्फ सावन माह में ही संचालन की इजाजत मिलेगी। कांवड़ यात्रा के बाद स्थिति पूर्ववत हो जाएगी। इस पुल की लंबाई 854 मीटर और चौड़ाई 7.50 मीटर होगी। रिंग रोड का पुल और अंडरपास निर्माणाधीन - शहर के यातायात व्यवस्था की लाइफ लाइन रिंग रोड का निर्माण तेज गति के साथ चल रहा है। मिट्टी डालने का काम अभी 15 किलोमीटर तक हुआ है। रामगंगा नदी पर पुल निर्माणाधीन है। इस रोड पर 30 से अधिक पुलिया और 11 अंडरपास बनेंगे। एक अंडरपास का काम पूरा हो गया है। सात अंडरपास पर काम चल रहा है। रिंग रोड के लिए अमरोहा जिले के औरंगाबाद, सिरसा मोहन की 13 हेक्टेयर और मुरादाबाद के 32 गांवों की जमीन अधिग्रहीत की गई है। यह रिंग रोड मूंढापांडे राष्ट्रीय राजमार्ग से शुरू होकर कुंदरकी रोड, संभल रोड, दिल्ली रोड, कैंलसा रोड, अगवानपुर बाईपास, दिल्ली हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग को पार करते हुए रामगंगा नदी को पार करेगा। काशीपुर रोड को पार कर मुरादाबाद रामपुर हाईवे पर जाकर रिंग रोड समाप्त होगा। रिंग रोड का निर्माण करने के लिए शासन ने 655 करोड़ का बजट निर्धारित किया है। मुआवजे और वन विभाग का बजट निर्माण से अलग है। रिंग रोड निर्माण की कुल लागत 12 हजार करोड़ होने का अनुमान है। शासन ने डेढ़ साल की निर्धारित अवधि में काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। फोरलेन बाईपास निर्माण का काम जारी उत्तराखंड से मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) को जोड़ने वाला मुरादाबाद-ठाकुरद्वारा मार्ग अति महत्वपूर्ण है। इस सड़क की लंबाई 38 किमी हैं। इसमें 21 किलोमीटर का बाईपास बनेगा। सिर्फ 17 किलोमीटर रोड को डबल लेन से फोरलेन बनाना है। यह रोड को भी 2025 में निर्मित करने का एनएचएआई ने लक्ष्य निर्धारित किया है। दरियापुर गांव आजादी के बाद से सड़क से कटा रहा - आजादी के 76 साल बाद भी दरियापुर को सड़क और पुल नहीं मिला था। बरसात के समय बच्चे पानी में तैरकर स्कूल जाते थे। जन प्रतिनिधियों के प्रयास से पिछले साल गांव को सबल बनाने के लिए सड़क और पुल की मंजूरी के साथ धन आवंटित हो गया है। लोनिवि ने आधी सड़क पर मिट्टी और गिट्टी डालने के बाद छोड़ दिया है। रामगंगा नदी पर 85.12 मीटर लंबा पुल निर्माणाधीन है। कांठ तहसील के दरियापुर गांव को जोड़ने के लिए चार किलोमीटर सड़क और बूढ़ी रामगंगा नदी पर 58.12 मीटर लंबे पुल का निर्माण करने के लिए 910.66 लाख रुपये का प्रस्ताव लोक निर्माण विभाग ने शासन को भेजा था। करीब डेढ़ साल के मंथन के बाद नाबार्ड ने प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए सड़क और पुल निर्माण के लिए 874.81 लाख रुपये की मंजूरी दी गई। पहली किस्त के रूप में 344.64 लाख रुपये की राशि भेजी गई है। चार किलोमीटर सड़क और पुल की मांग को लेकर दरियापुर के ग्रामीणों ने कई दिनों तक धरना प्रदर्शन किया था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह ने उनकी आवाज सुनीं। तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के प्रयास से पुल और सड़क को शासन से धन की स्वीकृति मिली।

स्मार्ट सिटी मुरादाबाद: तीन साल में 18 लाख खर्च, 18 को भी नहीं मिला रोजगार, कॅरिअर मित्रा वेबसाइट भी फेल

मुरादाबाद। स्मार्ट सिटी योजना के तहत युवाओं को रोजगार देने के लिए कॅरिअर मित्रा वेबसाइट तैयार की गई थी। इसका शुरू करवाने में लगभग 18 लाख का बजट खर्च हुआ। तीन साल बीतने के बाद भी इससे किसी भी शहरी को रोजगार नहीं मिल पाया। मुरादाबाद में स्मार्ट सिटी योजना के तहत शुरु की गई वेबसाइट कॅरिअर मित्रा एक भी व्यक्ति को भी रोजगार उपलब्ध नहीं करा सकी है, जबकि इसे शुरु करने में 18 लाख रुपये खर्च कारोबारियों और न ही श्रमिक संगठनों को दुनिया में विख्यात इस शहर के पीतल श्रमिक और कुशल अथवा अकुशल श्रमिकों कराने के उद्देश्य से तीन साल पहले करियर किया गया था। अभी तक इसका लाभ किसी लिए यह वेबसाइट बनाई गई वह खुद इससे पदाधिकारियों के अनुसार उन्हें अभी तक इस निगम के अधिकारियों ने कोई जानकारी दी संस फैक्टरी का नाम अंकित है। वर्तमान में हजार रुपये प्रतिमाह अंकित है। इस वेबसाइट के लिए आवेदन नहीं किया है। इसके साथ

हो गए। खास बात यह है कि तीन साल बाद भी शहर के इसकी जानकारी नहीं है।पीतल नगरी के नाम से देश कारोबारियों को उनके अपने शहर में काम के मुताबिक को उनके हुनर व योग्यता के मुताबिक काम उपलब्ध मित्र वेब पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन का निर्माण को भी नहीं मिल सका। खास बात यह है कि जिनके अनजान हैं। कारोबारियों और श्रमिक संगठनों के वेबसाइट के बारे में कुछ नहीं पता है और न ही नगर है। केस- एक इस वेब पोर्टल पर शहर की दीवान एंड उसमें आठ पद रिक्त प्रदर्शित हो रहे हैं। वेतन 10-20 के माध्यम से किसी के द्वारा उनकी फैक्टरी में रोजगार बेवसाइट के माध्यम से किसी कुशल अथवा अकुशल कारीगर के मिलने की जानकारी फैक्टरी संचालक को नहीं है। वेबसाइट पर सुपरवाइजर सिवेंद्र सिंह का मोबाइल नंबर लिखा है। पूछने पर उन्होंने भी बताया कि इस वेबसाइट के माध्यम से उन्हें कोई श्रमिक नहीं मिला है। केस- दो वेबसाइट पर प्रदर्शित डिजाइनर गिफ्ट इंटर नेशनल फैक्टरी में तीन पद रिक्त दिखाई दे रहे हैं। लाकड़ी फाजलपुर स्थित इस फैक्टरी के संपर्क नंबर पर जब जानकारी की गई तो वहां भी इस वेबसाइट के माध्यम से किसी को रोजगार मिलने की जानकारी से इन्कार किया है। लगभग यही स्थिति वेबसाइट पर प्रदर्शित हो रहीं 45 फैक्टरियों की है। शहर के आर्टिजंस के लिए जो वेब पोर्टल स्मार्ट सिटी ने बनाया है उसकी जानकारी मुझे या आर्टिजंस को नहीं है। इसकी वजह यह है कि स्मार्ट सिटी के अफसरों ने इसे बनवाते समय आर्टिजन्स अथवा उनके संगठन के पदाधिकारियों से कोई राय नहीं ली। मेरी जानकारी में इस वेबसाइट के माध्यम से किसी एक भी आर्टिजन को रोजगार नहीं मिला है। - मोहम्मद नोमान मंसूरी, अध्यक्ष, हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट सोसायटी इस वेब पोर्टल की मुझे या मेरे संगठन से लोगों को जानकारी नहीं है। इसका लाभ शहर के पीतल श्रमिकों और कारोबारियों को नहीं मिला है। अगर मेरी बात गलत है तो स्मार्ट सिटी के अफसर बताएं कि कितने लोगों को इसके माध्यम से रोजगार मिला। इसकी जांच भी होनी चाहिए। - अवधेश अग्रवाल, महासचिव, मुरादाबाद हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट एसोसिएशन अगर वेबसाइट से कोई लाभ शहर के लोगों को नहीं मिल रहा है तो इसकी जांच कराई जाएगी। करियर मित्रा बेबसाइट के उद्देश्य पूरे हो सकें, इसके प्रयास किए जाएंगे। जो कमियां हैं उसे दूर किया जाएगा। - दिव्यांशु पटेल, नगर आयुक्त

संक्षिप्त समाचार

डंपर ने बाइक सवार दंपती को कुचला, दोनों की मौके पर ही मौत, शवों की हालत देख परिजन हुए बेहोश

पाकबड़ा में गलत दिशा से आ रहे डंपर से बाइक सवार दंपती को कुचल दिया। इसमें दोनों की जान चली गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बाइक सवार दंपती को गलत दिशा से आ रहे डंपर ने कुचल दिया। इसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मोहनपुर कुंदरकी से अपने ससुराल असमोली जा रहे योगेश (25) की बाइक को लोदीपुर राजपूत गांव के पास गलत दिशा से आ रहे डंपर ने कुचल दिया।इसमें योगेश और उनकी पत्नी हिमांशी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पाकबड़ा पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर डंपर को कब्जे में ले लिया। पति-पत्नी के शवों को जिला अस्पताल भेज दिया गया है। मौके पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गयाटक्कर मारने वाले वाहन चालक पर केस-गांव वोवदवाला निवासी राजेंद्र शर्मा ने शनिवार को पुलिस को तहरीर दी। बताया कि 18 जून को वह मंडी समिति के सामने पत्नी निर्देश शर्मा के साथ बस का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान एक तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार। हादसे में घायल दंपती को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने राजेंद्र शर्मा की तहरीर पर गाड़ी के अज्ञात चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

रेलवे ब्रिज के डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक मौत

मुरादाबाद। कटघर थाना क्षेत्र में रेवले ब्रिज के डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।बिलारी थाना क्षेत्र के नगला महमूद निवासी प्रयांशू चौधरी गोविंद नगर में किराए के मकान में मां के साथ रहता था। यहां पर वह गार्ड की नौकरी करता था। पिता की कुछ साल मौत गई थी। प्रयांशू के रिश्तेदारों ने बताया है कि शनिवार को वह बाइक पर सवार होकर काम पर जा रहा था। इसी दौरान पंडित नगला के निकट लगे रेलवे ब्रिज के डिवाइडर से बाइक टकरा गई। स्थानीयल लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर उसकी शनिवार देर रात मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक, पीएम होने के बाद शव मां को सौंप दिया जाएगा।घटना के दिन सुबह मे मिली थी गार्ड की नौकरी- प्रयांशू चौधरी परिवार इकलौता चिराग था। रिश्तेदारों ने बताया है कि उसके पिता सत्यवीर चौधरी की 15 साल पहले मौत हो गई। एक बहन है, जिसकी शादी हो चुकी है। उन्होंने बताया है कि प्रयांशू से फोन पर बातचीत होती रहती थी। घटना से एक दिन पहले ही उसको सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी मिली। मां के साथ किराये के मकान में रह कर वह जीवन यापन कर रहा था।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

निर्मला सीतारमण का कांग्रेस पर वार, 56 लोगों की मौत पर पूछा- कहां हैं राहुल और खरगे?

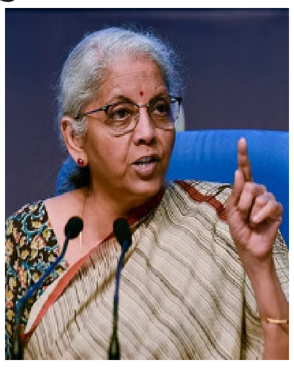

तमिलनाडु में जहरीली शराब पीने से 56 लोगों की मौत हो चुकी है। निर्मला सीतारमण ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की है। उन्होंने सवाल पूछा कि आखिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने मौन क्यों साधा हुआ है?तमिलनाडु में जहरीली शराब पीने से 56 लोगों की मौत के बाद देशभर में हलचल मच गई। राज्य में जहरीली शराब पीने से अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि, सैकड़ों लोग अभी भी अस्पतालों में भर्ती हैं।इस मामले में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि अभी भी अस्पताल में भर्ती 200 से अधिक लोगों की हालत बेहद गंभीर है। निर्मला सीतारमण का कांग्रेस पर निशाना केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मामले में कांग्रेस पर कटाक्ष किया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में अधिकतर अनुसूचित जाति से हैं। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर भी हैरानी जताई कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने कहा कि राज्य में जहरीली शराब पीने से अनुसूचित जाति के कई लोगों की मौत हो गई और राहुल गांधी ने मौन साधा हुआ है। निर्मला सीतारमण ने इस मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा 'जिस राज्य में शराब की बिक्री के लिए दुकानों को सरकार द्वारा लाइसेंस दिए जाते हैं, उसी राज्य के कल्लकुर्ची शहर में जहरीली शराब तैयार की जाती है। आखिर कांग्रेस के नेता मलिल्कार्जुन खरगे और राहुल गांधी कहां हैं?'जहरीली शराब पीने से अब तक 56 लोगों की मौत 19 जून को तमिलनाडु के कल्लकुर्ची शहर में जहरीली शराब पीने के बाद मरने वालों की संख्या 56 पहुंच चुकी है। पुलिस का कहना है कि जहरीली शराब पीने से बीमार हुए 216 लोगों को तमिलनाडु के चार अस्पतालों में भर्ती किया गया था। इसमें से जवाहर लाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी में भर्ती 3 मरीज को मृत घोषित किया गया। सबसे अधिक मौत कल्लकुर्ची मेडिकल कॉलेज में हुईं। यहां भर्ती 31 मरीजों की मौत हो गई। वहीं सलेम मेडिकल कॉलेज में भर्ती किए गए 18 मरीजों की मौत हो चुकी है।

दिल्ली जल संकट: आतिशी के अनशन के बाद हरियाणा ने दिल्ली का पानी और कम किया, सौरभ भारद्वाज का आरोप

दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब से आतिशी ने अनशन शुरू किया है तब से हरियाणा सरकार ने दिल्ली का पानी और कम कर दिया है। दिल्ली में जल संकट के बीच सियासी पारा भी बढ़ गया है। हरियाणा से अतिरिक्त पानी की मांग को लेकर भोगल के जंगपुरा स्थित सैनी चौपाल में शुक्रवार से दिल्ली की जल मंत्री आतिशी अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी हैं। आतिशी के अनशन का आज तीसरा दिन है। इस बीच दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जब से आतिशी ने अनशन शुरू किया है तब से हरियाणा सरकार ने दिल्ली का पानी और कम कर दिया है। दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, हरियाणा की भाजपा सरकार लगातार झूठ बोल रही है, वे पानी कम कर रहे हैं। आतिशी के धरने पर बैठने के बाद हरियाणा ने कम से कम 17 एमजीडी (मिलियन गैलन प्रति दिन) और पानी कम कर दिया है। अतिशी के अनशन से पहले हरियाणा 100 एमजीडी कम दे रहा था। अब हरियाणा 117 एमजीडी पानी कम दे रहा है।सौरभ भारद्वाज ने कहा कि एक देश-एक चुनाव और टीम इंडिया की बात करने वाले लोग अपने ही देश की राजधानी के लोगों को प्यासा मार रहे हैं। हरियाणा की भाजपा सरकार ने जान-बूझकर दिल्ली का पानी रोक रखा है। इस मामले में प्रधानमंत्री चुप बैठे हैं। उन्हें दिल्ली का संकट नहीं दिख रहा है। एलजी वीके सक्सेना से मिले आप नेता- दिल्ली में जल संकट को लेकर पार्टी नेता संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और दिलीप पांडे समेत आप नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मिलने उनके आवास पर पहुंचा। दिल्ली एलजी से मुलाकात के बाद दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, हमने उपराज्यपाल से हरियाणा से बात करने का अनुरोध किया। हरियाणा अभी भी दिल्ली को कम पानी दे रहा है, जिससे लाखों लोगों को परेशानी हो रही है और उपराज्यपाल ने हमें आश्वासन दिया है कि वह हरियाणा सरकार से बात करेंगे और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि हमें दिल्ली का पानी मिले।

कटरुआ के लिए जान जोखिम डाल रहे ग्रामीण, 2400 रुपये किलो तक बिकती है ये सब्जी

कटरुआ लखीमपुर जिले में ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों में भी काफी मशहूर है। इस सब्जी की कीमत जानकर लोगों के होश उड़ जाते हैं। जंगल में मिलने वाला कटरूआ 2000 से 2400 रुपये प्रति किलो तक बिकता है। लखीमपुर खीरी जिले में जंगली जानवर पाढ़ा, चीतल, भालू का पसंदीदा भोजन कटरुआ अब इंसानों की भी पसंद बन रहा है। यही वजह है कि प्रतिबंधित होने के बावजूद लोग चोरी-छिपे जंगल में जान जोखिम में डालकर कटरुआ ला रहे हैं और बाजार में बिक्री कर रहे हैं। बाजार में यह 2000 से लेकर 2400 रुपये किलो बिक रहा है। इसके खरीदार बड़ी संख्या में हैं। यह शरीर के लिए काफी पौष्टिक माना जाता है।बरसात के दौरान जंगलों से कटरुआ बाजार में पहुंचना शुरू हो जाता है। कटरुआ साल के पेड़ के नीचे जमीन को चीरते हुए निकलता है। बारिश में ही यह जमीन से निकलता है। यह दुधवा के अलावा भीरा रेंज, मैलानी रेंज और बांकेगंज रेंज के आसपास के जंगलों में खूब पाया जाता है। कटरुआ को हिरन, पाढ़ा, चीतल, भालू, बंदर, लंगूर आदि वन्यजीव बड़े चाव के साथ खाते हैं। इससे उन्हें भरपूर प्रोटीन मिलता है। प्रोटीन के चलते लोग भी कटरुआ को काफी पसंद करते हैं।राजधानी से लेकर मुंबई तक पसंद किया जाता है महीने तक बाजार की रौनक बढ़ाने वाला कटरुआ लखीमपुर जिले में ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों में भी काफी मशहूर है। लोग कटरुआ यहां से खरीदने के बाद लखनऊ, शाहजहांपुर, सीतापुर, रायबरेली, बहराइच सहित मुम्बई भेजते हैं। इसकी मांग इतनी है कि लोग दस महीने इसका इंतजार करते हैं।कटरुआ बीनने जंगल में घुस रहे लोग- कटरुआ बीनने वाले लोगों का जंगलों में दखल बढ़ रहा है। वन विभाग की अनदेखी के चलते जंगल के आसपास रहने वाले लोग कई किलो कटरुआ लेकर बाहर आते हैं और इसे ऊंची कीमतों में बेचते हैं। मौजूदा समय में हीरालाल धर्मशाला के अलावा मुख्य बाजार में कई फेरी वाले कटरुआ की बिक्री करते दिखाई दे रहे हैं। प्रोटीन युक्त होने के साथ काले या सफेद रंग का होता है। बरसात के दिनों में जंगल के आस-पास रहने वालों लोगों के लिए यह रोजी-रोटी का साधन बनता है। हालांकि, जंगल में घुसकर कटरुआ बीनना प्रतिबंधित है। जंगल में घुसपैठ रोकने के लिए टीमें गठित - दुधवा के एफडी ललित कुमार ने बताया कि जंगल में घुसपैठ रोकने के लिए कई टीमों का गठन किया है। जंगल में कटरुआ बीनते पकड़े जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बाजारों में भी जहां कहीं यह बिकता पाया जाएगा, दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बाटनी के प्रोफेसर डॉ. डीके सिंह ने कहा कि कटरुआ को सामान्य बोलचाल की भाषा में पबवाल बोलते हैं। इसमें फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। साथ अच्छी मात्रा में फैट और शुगर भी होती है। जिसमें एंटी आक्सीडेंट फिनालिक कंपाउंड पाया जाता है, जो पाचन क्रिया में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

आगरा की तमंचेबाज युवती: छत पर खड़े होकर की फायरिंग, वीडियो भी बनवाया

आगरा की तमंचेबाज युवती की वीडियो सामने आया है। छत पर खड़े होकर बेखौफ फायरिंग की। इसका वीडियो भी बनवाया।उत्तर प्रदेश के आगरा में रविवार को तमंचा से फायरिंग करते हुए युवती का वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवती छत पर खड़ी है। उसके हाथ में तमंचा है। वह फायर करने के लिए तैयार है। इसी समय एक लड़का आता है और उसका हाथ पकड़कर फायर कराता है। वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो न्यू आगरा थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। हालांकि अभी पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

मामूली विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट, घायल युवक ने अस्पताल में तोड़ा दम

आजमगढ़ जिले में दो पक्षों के बीच मारपीट में घायल युवक की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। मामले को लेकर पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है। आजमगढ़ जिले के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के महंगूपुर गांव में शनिवार की रात शौच करने को लेकर दो पक्ष में मारपीट हो गई। जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां रविवार की सुबह उसकी मौत हो गई। यह है मामला शनिवार की रात महंगूपुर गांव निवासी वीरेंद्र पुत्र रामवृक्ष अपने घर के बगल में पेशाब कर रहा था। तभी दूसरे पक्ष के लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद होने पर वीरेंद्र उर्फ रामवृक्ष को चंद्रशेखर व उनके लोगों ने लाठी, डंडे व धारदार हथियारों से हमला बोल दिया। मारपीट की घटना में प्रद्युम्न कुमार (24) पुत्र रामवृक्ष, विरेंद्र उर्फ रामवृक्ष (55) पुत्र तेरस, दीपक (18) पुत्र रामवृक्ष, राजेंद्र (60) पुत्र तेरस को मारपीट कर घायल कर दिया। आनन फानन सभी घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्रद्युम्न की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। रविवार की सुबह इलाज के दौरान प्रद्युम्न की मौत हो गई। लोगों की मानें तो दोनों परिवारों में काफी दिनों से विवाद चल रहा था। इस मामले में मृतक के बड़े पिता सुरेंद्र ने अपने ही पटीदार मनोज, राजू, चंद्रशेखर, मोहित, सोहित तथा चंदन के खिलाफ गंभीरपुर थाने में नामजद तहरीर दिया है।

फर्जी पुलिस अधिकारी बने... और व्हाट्सएप क्लोन बनाकर लूट लिया था एक करोड़ से अधिक का सोना; तीन गिरफ्तार

ताजनगरी में बदमाश फर्जी पुलिस अधिकारी बने और व्हाट्सएप क्लोन बनाकर एक करोड़ से अधिक का सोना लूट लिया था।

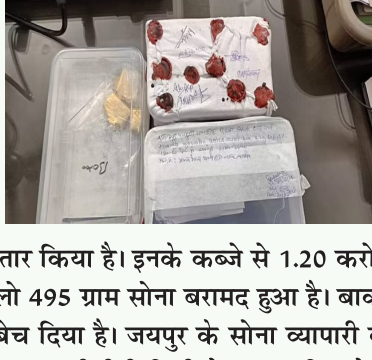

तीन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश के आगरा में रविवार को पुलिस ने सोना लूट के मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 1.20 करोड़ कीमत का एक किलो 495 ग्राम सोना बरामद हुआ है। बाकी सोना आरोपियों ने बेच दिया है। जयपुर के सोना व्यापारी के कर्मचारी से की थी लूट। डीसीपी सिटी ने बताया कि सोना बेचकर आरोपियों ने प्लाट खरीदे। दो प्लॉट की रजिस्ट्री मिली है। उनकी कीमत 62 लाख रुपए है। 18 जनवरी को कैंट स्टेशन पर ट्रेन से व्यापारी के कर्मचारी को आरोपियों ने सोने सहित उठाया था। लूट के बाद आरोपी फरार हो गए थे। व्हाट्सएप क्लोन बनाकर वारदात को अंजाम दिया था। शाहगंज थाना पुलिस तीन महीने से की तलाश में जुटी थी।

जमीन बेचने का झांसा देकर 50 लाख हड़पे, होटल संचालक समेत 8 पर मुकदमा, पति-पत्नी भी शामिल

अमरोहा में धोखाधड़ी करने के आरोप में आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इसमें एक दंपती से शामिल है। पुलिस ने बताया कि मामला जमीन खरीदने से संबंधित है। जमीन बेचने का झांसा देकर कारोबारी से 50 लाख रुपये हड़प लिए। बाद में जमीन का बैनामा और एग्रीमेंट किसी दूसरे को करा दिया। मामले में पुलिस ने होटल संचालक समेत 8 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। डिडौली कोतवाली क्षेत्र के में कारोबारी जाहिद का परिवार रहता बीघा जमीन जोया के मोहल्ला रहने वाले यासीन और उनकी पत्नी खरीदी थी। एक करोड़ रुपये में 15 जमीन का सौदा हुआ था। इकरारनामा आधार पर जाहिद ने जमीन पर कब्जा था।इस जमीन की चारदीवारी दुकान बना ली थीं। दुकानों में टायर का कार्य कर रखा है। आरोप है कि लाख रुपये बयाने के तौर पर दिए 25 लाख रुपये मरियम और यासीन ट्रांसफर किए। इस दौरान कुछ समय

श्योनाली गांव है।उन्होंने एक पधानोवाला में मरियम से अप्रैल 2023 को की शर्तों के कर लिया कराकर दो पंचर व कैंटीन जाहिद ने 15 थे। इसके बाद के खाते में बाद जमीन का बैनामा कराने की बात हुई थी। इसके बाद 22 अप्रैल 2024 को 11लाख रुपये और दे दिए गए। जुलाई के महीने में बैनामा कराने की बातें हुई। पीड़ित जाहिद ने जमीन का बैनामा कराने के लिए कहा तो यासीन और मरियम टालमटोल करने लगे। लेकिन यासीन और मरियम ने 6 मार्च 2024 को अमरोहा देहात थानाक्षेत्र के रायपुर खुर्द निवासी भूरी खातून के नाम बैनामा और एग्रीमेंट कर दिया। आरोप है कि 15 मई 2024 की सुबह दस बजे पीड़ित जाहिद दुकान पर बैठे हुए थे। तभी यासीन, मरियम व थूरी और पांच अज्ञात लोग जमीन पर कब्जा करने की नीयत से पहुंच गए और फर्जी व कूटरचित बैनामा दिखाते हुए दुकान में रखा समान फेंक दिया। विरोध करने पर जाहिद के साथ मारपीट की। जान से मारने की नीयत से गला दबा दिया। शोर मचाने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। तभी आरोपी जान से मारने की धमकी देने में भाग गए। इस मामले में एसपी कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर डिडौली पुलिस ने मरियम, यासीन व भूरी खातून और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, हत्या की कोशिश के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस जांच कर रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

राजूदास के प्रकरण में मझधार में फंसी भाजपा, बड़े नेता कुछ भी बोलने को तैयार नहीं

यूपी सरकार के दो मंत्रियों सूर्य प्रताप शाही और जयवीर सिंह की मौजूदगी में सरयू अतिथि गृह में पुजारी और डीएम के बीच हुई तनातनी पर चर्चाओं का दौर थम नहीं रहा है। हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास और डीएम नितीश कुमार के बीच हुई बहस और सुरक्षा हटाए जाने के प्रकरण में भाजपा मझधार में फंस गई है। पार्टी के बड़े नेता इस मामले में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। जबकि कार्यकर्ता आत्म सम्मान का सवाल उठा रहे हैं। संगठन ने इस मसले पर प्रदेश अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट भेज दी है। इन सबके बीच सोशल मीडिया पर बहस का दौर थम नहीं रहा है।प्रदेश सरकार के दो मंत्रियों सूर्य प्रताप शाही और जयवीर सिंह की मौजूदगी में सरयू अतिथि गृह में पुजारी और डीएम के बीच हुई तनातनी पर चर्चाओं का दौर थम नहीं रहा है। भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ प्रशासनिक अधिकारियों और आम लोग इसी बात पर चर्चा कर रहे हैं कि अब आगे इस पर क्या होगा? इस बीच राजू दास, मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से मिलकर पूरे मामले पर अपना पक्ष रख आए हैं। उधर, डीएम पहले ही स्वीकार कर चुके हैं कि पुजारी के आपराधिक प्रवृत्ति का होने के चलते उन्होंने उनके साथ बैठने से मना कर दिया था।घटना के चार दिन बाद भी सोशल मीडिया पर पक्ष और विपक्ष में बयानबाजी जारी है। उदाहरण के तौर पर भाजपा से जुड़े एक व्यापारी नेता अपनी पोस्ट में लिखते हैं कि पुजारी राजू दास के प्रकरण में पता चल जाएगा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ है कि अधिकारियों के साथ। इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स को चेक करने पर पता चलता है कि पार्टी के भीतर ही इस मामले को लेकर कितनी बेचैनी है। कोई कहता है कि कार्यकर्ताओं के मान-सम्मान का ख्याल नहीं रखा गया तो गलत संदेश जाएगा। कई ऐसे लोग भी रहे जो राजू दास के खिलाफ थानों में दर्ज एफआईआर की कॉपी शेयर कर रहे हैं। -भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह से जब पूछा गया कि इस चर्चित मामले में पार्टी का क्या स्टैंड है तो उन्होंने बताया कि संगठन की ओर से प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को विस्तृत रिपोर्ट भेज दी गई है। इसमें सभी बातों का उल्लेख किया गया है। अब पार्टी नेतृत्व को निर्णय करना है, हमने अपना काम कर दिया है। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि जब यह घटनाक्रम हुआ था, तब वहां पर प्रदेश सरकार के दो मंत्री मौजूद थे। उन्होंने भी सरकार और संगठन को प्रकरण में तथ्यों की जानकारी दी होगी।

परिवार परामर्श में भाभी की गुहार: शादी के बाद भी मायके में रह रही है ननद, सास-ससुर को भड़काकर कराती है कलह

मऊ जिले में परिवार परामर्श की बैठक में 52 मामले आए, जिसमें 15 मामलों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एक विवाहिता ने गुहार लगाई कि उसकी ननद अपने मायके में ही रहती है और सास-ससुर को भड़काकर घर में कलह कराती है। शादी होने के बाद भी ननद ससुराल में रहने के बजाय मायके में रहती है। वह नियमित रूप से मेरे सास ससुर को भड़का कर विवाद करती है। यह गुहार रविवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित परिवार परामर्श की बैठक में एक महिला ने सदस्यों के समक्ष लगाई। वहीं महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति भी उसे घर में नहीं रहने दे रहा है। इस पर सदस्यों द्वारा महिला की ननद को सख्त हिदायत दी गई कि वो अपने ससुराल रहे। साथ ही मायके का घर बर्बाद न करने की सलाह दी गई। वहीं एक अन्य मामले में पीड़िता ने बताया कि उसका पति विदेश में है और उनके ही बनाए घर में ससुराल के लोग रहने नहीं दे रहे हैं। महिला ने मांग की उसे ससुराल में हिस्सा चाहिए। इससे पहले सुबह दस बजे से शुरू हुई बैठक में 52 मामले आए, जिसमें 15 मामलों का निस्तारण किया गया। जबकि चार मामलों में दंपती आपसी कलह भुलाकर साथ रहने को तैयार हुए। वहीं सात मामलों को कोर्ट में चलने अथवा प्रार्थिनी की अनुपस्थिति के कारण बंद की गई है। बैठक में अर्चना उपाध्याय, सर्वेश दूबे, शाहिद पैरिस, मौलवी अरशद तथा एसआई समरजीत यादव ने मामलों का निस्तारण किया।

कांग्रेस नेता अब्दुल हफीज के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर, कांग्रेसियों तथा क्षेत्र के सभी लोगो ने श्रद्धांजलि अर्पित की

क्यूँ न लिखूँ सच
राकेश गुप्ता

शामली, कैराना। प्रदेश के साथ-साथ क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ कांग्रेस नेता अब्दुल हफीज मुल्तानी अब इस दुनिया को अलविदा कह गए हैं, जिससे कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओ सहित क्षेत्र के लोगों की आंखे गम से नम हो गईं। शनिवार की रात को वरिष्ठ कांग्रेस नेता अब्दुल हफीज मुल्तानी ने दिल्ली के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। हफीज साहब के निधन से परिजनों सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जाता है कि अब्दुल हफीज मुल्तानी की तबीयत काफी समय से खराब चल रही थी, जिसके चलते उन्हें उपचार के लिए शामली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन वहां के डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली के एक अस्पताल में रेफर कर दिया, जहां डॉक्टरों ने हफीज साहब की हालत गंभीर बताई। उपचार के दौरान शनिवार 22 जून 2024 की रात करीब 11 बजे दिल्ली के अस्पताल में हफीज साहब ने अंतिम सांस ली।हफीज साहब के निधन की खबर पूरे हिंदुस्तान की बिरादरी सहित कैराना शहर व क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई तथा उनके चाहने वाले नम आंखों के साथ उनके आवास पर पहुंचने लगे। उनके बेटे नईम ने बताया कि उनकी तबीयत कई दिनों से ठीक नहीं थी, जिसके चलते उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था तथा उपचार के दौरान दिल्ली के एक निजी अस्पताल में उनका शनिवार की देर रात को निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि हफीज साहब ने क्षेत्र के चौधरी खाप के दिवंगत सांसद अख्तर हसन को कैराना लोकसभा सीट पर कांग्रेस के सिंबल पर ऐतिहासिक जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। दिवंगत सांसद बाबू हुकुम सिंह ने भी एक बार कांग्रेस के सिंबल पर कैराना सीट जीती थी, जिसमें हफीज ने काफी मेहनत की थी और कैराना में हुकुम का इक्का चलाया था। वहीं हफीज ने दिवंगत सांसद अख्तर हसन की पोती और गिनीज बुक में कैराना का नाम दर्ज कराने वाली दिवंगत सांसद मुनव्वर हसन की इकलौती बेटी सांसद इकरा हसन को गठबंधन से कैराना लोकसभा सीट जितवाने में अहम भूमिका निभाई। हफीज साहब करीब 40 साल से कांग्रेस की बागडोर संभाल रहे थे। कैराना समेत क्षेत्र में कांग्रेस का झंडा फहराने में अब्दुल हफीज मुल्तानी को सबसे आगे माना जाता है। अब्दुल हफीज मुल्तानी के निधन से माना जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी को अब ऐसा नेता नहीं मिल सकता। अब्दुल हफीज मुल्तानी की मौत से कांग्रेस पार्टी सहित मुस्लिम मुल्तानी लोहार बिरादरी को बड़ा झटका लगा है। पूरे देश की मुस्लिम मुल्तानी बिरादरी सहित कैराना शहर और क्षेत्र में गमगीन माहौल है। कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी सहित कार्यकर्ताओ एवंकस्बे और क्षेत्र के सभी लोगों ने उनके निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कलेक्टर का संदेश पहुँच रहा पालकों के घर,शिक्षक घर घर जा कर पहुँचा रहे संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर- ग्रीष्मकालीन अवकाश पश्चात 26 को विद्यालय प्रारंभ हो रहे हैं। शत प्रतिशत बच्चे विद्यालय तक पहुंचे इस हेतु अभियान चलाकर पालकों एवं बच्चों को जागरूक करने का प्रयास किया गया है। पालकों को जिले के कलेक्टर रोहित व्यास के संदेश की प्रति को उपलब्ध कराने के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल के आदेशानुसार माध्यमिक शाला पतरापाली के शिक्षक पालकों के घर-घर जाकर संदेश की प्रतियां पालकों को उपलब्ध करा रहे हैं। विद्यालय के शिक्षक योगेश साहू ने बताया कि विद्यालय के छात्रों के साथ साथ में नवप्रवेशी छात्रों के पालकों से मिलकर उन्हें कलेक्टर महोदय का पत्र प्रदान किया गया, साथ ही बच्चों को विद्यालय में प्रवेश कराने तथा विद्यालय की मूलभूत सुविधाएं जैसे निशुल्क ड्रेस, पुस्तक, गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं प्रशिक्षित विषय आधारित शिक्षक व अन्य सुविधाओं से अवगत कराया गया। कलेक्टर रोहित व्यास ने अपने संदेश में अभिभावकों के लिए संदेश दिया है कि 26 जून को विद्यालय प्रारंभ हो रहे हैं जिसमें सभी बच्चों का शैक्षणिक परिवार में स्वागत है वर्तमान में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों के एक से 10 तक की कक्षाओं में अध्यनरत विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तक, 1 से 8 तक की कक्षाओं में अध्यनरत छात्रों को निशुल्क गणवेश एवं प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना से गर्म पौष्टिक भोजन तथा कक्षा नवमी में अध्यनरत बालिकाओं को निशुल्क सरस्वती साइकिल योजना एवं छात्रवृत्ति की विभिन्न योजनाएं शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संचालित हैं। हम सभी को अपने गांव के प्रत्येक घर तक पहुंच कर शाला त्यागी और अप्रवेशी एवं नव प्रवेशी बच्चों की पहचान कर उन्हें शासकीय विद्यालयों में कक्षा अनुरूप प्रवेश दिलाकर शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ें एवं उनके भविष्य को संवारने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही आप सभी अभिभावकगण हमारे बच्चों के साथ न्योता भोजन में भी आमंत्रित हैं। आप सभी अभिभावकों से हमारा आग्रह है कि विद्यालय को अपना परिवार समझते हुए प्रत्येक पालक बालक सम्मेलन में आप अपनी सहभागिता दें एवं अपने बच्चों के शैक्षणिक प्रगति की जानकारी विद्यालय में जाकर बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था हेतु सुझाव दें। समस्त जिला प्रशासन अभियान के माध्यम से आपके बीच पहुंच रहा है। 26 जून से शाला प्रवेश उत्सव प्रारंभ होगा मेरा अनुरोध है कि इस उत्सव को केवल औपचारिकता ना समझते हुए इसे मिल का पत्थर बनाएं। मैं आशा करता हूं कि एक जिम्मेदार पालक होने के नाते आप अपने आसपास के शत प्रतिशत बच्चों को शाला और शिक्षा से जुड़ेंगे जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो और वह एक जिम्मेदार नागरिक बन सकें। कलेक्टर के इस संदेश को पाकर पालकों ने खुशी जाहिर की उन्होंने कहा कि यह पत्र हम सम्हाल कर रखेंगे, विद्यालय की बैठकों में शामिल होंगे और हम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी एवं बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत देंगे। विद्यालय के द्वारा ग्राम पतपाली एवं दवना में शिक्षक योगेश साहू एवं कृष्ण कुमार यादव द्वारा संदेश की प्रति का वितरण किया गया।

रेलवे डीआरएम कार्यालय सिंगरौली में किया जाये स्थापित-सांसद डॉ. राजेश मिश्रा

क्यूँ न लिखूँ सच

सिंगरौली - सीधी सिंगरौली एनएच 39 सड़क निर्माण कार्य मे प्रगति लाई जाये तथा गोपद नदी के पुल निर्माण कार्य 30 जून तक पूर्ण कर लिया जाये तथा दुर्घटनाग्रस्त वाले स्थल को चिन्हित कर तत्काल सही कराया जाना सुनिश्चित करें। रेलवे डीआरएम कार्यालय सिंगरौली में स्थापित किया जाये तथा सीएसआर मद की राशि बिना स्वीकृती के अन्य जिलो में किसी भी रूप पर न भेजी जाये। अन्य औद्योगिक कंम्पनियों को इस आशय से अवगत कराया जाये।उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की बैठक के दौरान सीधी सिंगरौली सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के द्वारा दिया गया। विदित हो कि कलेक्ट्रेट सभागार में सीधी सिंगरौली सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के अध्यक्षता एवं मध्यप्रदेश शासन की राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह,सिंगरौली विधानसभा के विधायक राम निवास शाह, देवसर विधानसभा के विधयाक राजेन्द्र मेश्राम, सिहवाल विधानसभा के विधायक विश्वामित्र पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष सोनम सिंह, नगर निगम अध्यक्ष देवेश पाण्डेंय, प्राधिकरण के अध्यक्ष दिलीप शाह, कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला, जनपद अध्यक्ष देवसर प्रणव पाठक, जनपद पंचायत चितरंगी अध्यक्ष सिया दुलारी, जनपद अध्यक्ष बैढ़न सविता सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के गरिमामय उपस्थिति में बैठक आयोजित हुई। बैठक के प्रारंभ में सांसद श्री मिश्रा के द्वारा सीधी सिंगरौली एनएच 39 सड़क कार्य कि प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात निर्देश दिये कि प्रगति संतोष जनक नही है जो अत्यन्त ही खेद का विषय है इतने वर्षो से सड़क पूर्ण नही हो पाई है उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि गोपद पुल का निर्माण कार्य 30 जून तक सम्पन्न कराकर सात दिवस में उसकी जॉच पूर्ण करे। वही उपस्थित विधायको के द्वारा भी कार्य में प्रगति न आने पर असंतोष जाहिर किया गया। तत्पश्चात ललितपुर सिंगरौली रेलवे लाईन के प्रगति की समीक्षा की गई। संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि कार्य प्रगति पर है।उक्त के संबंध में विधायक सिहावल श्री पाठक के द्वारा रेलवे लाईन के नवीन एवं पुराने नक्से को संबंध में सदन को अवगत कराया गया। वही कटनी से सिंगरौली रेलवे लाईन दोहरीकरण के प्रगति की समीक्षा की गई जिसके उपरांत सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि डीआरएम कार्यालय रेलवे सिंगरौली जिले में स्थापित किया जाये। एवं संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देश दिया गया कि दोहरीकरण कार्य में प्रगति लाई जायें। जल जीवन मिशन के प्रगति का कार्य संतोष जनक नही होने पर असंतोष व्यक्त किया गया वही विधायक सिंगरौली एवं देवसर के द्वारा भी यह कहा गया कि कार्य में जो प्रगति आनी चाहिए वो नही आई है। वही बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि एक विशेष टीम गठित कर तीन विंदुओ की जॉच कराई जाये पाईप लाईन डालते समय जो रोडो को खोदा गया है उन्हे अभी तक पूर्ण नही किया गया है। उसे पूर्ण कराया जाये कहा कहा कि सड़के अभी अधूरी पड़ी है। नलजल योजना के तहत पीएचई को हस्तांतरित हुये कार्य की सूची बनाकर उसका सोसल आडिट कराया जाये कि क्या हर घर में पेयजल आ रहा है या नही। तथा किस गुणवत्ता का पेयजल आ रहा है। आगे से योजना से संबंधित जो अपूर्ण कार्य है उन्हें अंग्रीम कार्य के लिए पीएचई विभाग को न सौपा जाये। स्वाथ्य विभाग से संबंधित एजेंडा पर चर्चा करते हुये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से ट्रामा सेंटर में मरीजो को दी जाने वाली सुविधाओं के साथ साथ दवाईयों का वितरण एवं एक्सरे सहित कितने प्रकार की जॉच की जाती है इसके अलावा जनपद स्तर पर स्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो में दवाओं की उपलंब्धता आदि के प्रगति की जानकारी लेने के पश्चात विधायको द्वारा जिला चिकित्सालय में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं को सही ढंग से प्रदान न करने पर अप्रशंन्नता जाहिर की गई। एवं निर्देश दिये गये कि जिला चिकित्सालय में शासन के मंशानुसार नि:शुल्क दवाएं प्रदान की जाये। साथ ही जिला चिकित्सालय की व्यवस्थाओं में सुधार लाया जाये। वही कलेक्टर को इस आशय के निर्देश दिये गये कि समय समय पर स्वास्थ्य विभाग की बैठक कराया जाकर प्रदाय की जाने वाली सेवाओं की समीक्षा की जाये। बैठक के दौरान विद्युत विभाग से संबंधित विंदुओ पर चर्चा की गई तथा सांसद डॉ. मिश्रा के द्वारा अधीक्षण यंत्री को निर्देश दिये कि विद्युत सप्लाई की व्यवस्था नियमित रखे। बिगड़े ट्रन्सफर्मर को सही करे। पुराने जो कनेक्शन की जो केबल लाईन खराब हो गई है उन्हें बदला जाये। आदिवासी क्षेत्रो के शत प्रतिशत विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित किया जाये। कोई भी ट्रन्सफर्मर खराब होने पर एक संप्ताह में बदला जाये। अपने विभाग के अधीनस्थ अधिकारी कर्मचारियो को निर्देश दे कि जन प्रतिनिधियों के फोन को रिसीव करे। इसके अलावा यादि विद्युत उपभोक्ता अपनी समस्या बताता है कि उसका निराकरण समय पर सुनिश्चित करे। बैठक के दौरान जिले के किसानो को गुणवत्तायुक्त खाद बीज उपलंब्ध कराने के साथ साथ बाजारो में बिना लायसेंस नकली खाद बीज बिक्रय करने वालो के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये गये। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि टीम गठित कर अधिक से अधिक किसानो फसल बीमा योजना में शामिल किया जाये। बैठक में शिक्षा विभाग से संबंधित एतेंडा पर चर्चा करते हुये निर्देश दिये गये कि प्रत्येक स्कूल में शिक्षक की उपलंब्धता कराई जाये समय पर शिक्षक उपस्थित रहे। छात्रो को पुस्तक वितरण एवं गणवेश वितरण किया जाये।विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण भी किया जाये वही यह सुनिश्चित करे कि समस्त विद्यालयो में सभी विषयों के शिक्षक उपलंब्ध रहे। बैठक में इस विंदु पर भी चर्चा की गई कि ऐसी प्राईवेट विद्यालय जो इग्लिस मीडियम है 10 कक्षा के बाद संबंधित विद्यालयो के छात्रो को कक्षा 11 वी में उनके रूचि के अनुसार विषय प्राप्त नही हो पाते हिन्दी मीडियम के विद्यालयो में पढ़ने में कठिनाई होती है ऐसे विद्यालयो का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही किया जाये। बैठक के दौरान जिले के विकास से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावो को पारित किया गया। सांसद श्री मिश्रा के द्वारा उज्ज्वला योजना की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि जिले के ऐसे हितग्राही जिन्हें अभी तक योजना लाभ नही दिया गया है उन्हे चिन्हित कर योजना के लाभ से लाभान्वित कराये। उन्होंने निर्देश दिये कि पीडीएस दुकानो के माध्यम से हितग्राहियो को हर तीसरे दिन राशन का वितरण सुनिश्चित कराये साथ ही पीएडीएस दुकानो का औचक निरीक्षण भी करे। सासंद डॉ. मिश्रा के द्वारा जन जाति कार्य विभाग की समीक्षा करते हुये बैगा सामाज के वर्तमान स्थिति की जानकारी ली तथा निर्देश दिये कि बैगाओं का नियमिति स्वस्थ्य परीक्षण कराये तथा बिमारियो से संबंधित दवाओं पर्याप्त उपलंब्धता सुनिश्चित कराये। उन्होंने कहा कि बैगा समाज में शासकीय योजनाओं को प्रति जागरूक करे ताकि वे आगे आकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके। सांसद ने जनजाति कार्य विभाग की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये विभाग से संबंधित छात्रावासो का सुधार कराये तथा समय समय पर छात्रावासो का औचक निरीक्षण भी करे। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि मनरेगा मजदूरो की मजदूरी वितरण में में पारदर्शिता लाये साथ ही गौशालाओं सोलर पम्प की व्यवस्था सुनिश्चत करे।बैठक के अंत में सांसद श्री मिश्रा के द्वारा उपस्थित अधिकारियो को निर्देश दिये गये कि कार्य प्रणाली में सुधार लाये लक्ष्य के अनुरूप विकास कार्यो को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करे। केन्द्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओ का शत प्रतिशत लाभ दिया जाना सुनिश्चत करे। अगली बैठक मे मुझे कार्य में प्रगति चाहिए अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी जिम्मेदार होगे। वही बैठक के दौरान मध्यप्रदेश शासन की राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह के द्वारा भी उपस्थित अधिकारियो को इस आशय के निर्देश दिये गये कि जिले के विकास से संबंधित सभी विकास कार्यो को समय पर पूर्ण करे। तथा वर्षाकाल के दौरान होने वाली बिमारियो को अभियान चलाक स्वास्थ्य विभाग आवश्यक दवाओं का वितरण करे। आम जन मानस को स्वास्थ्य सेवाओ का उचित लाभ प्रदान किया जाना सुनिश्चत करे। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर अरविंद झा, संयुक्त कलेक्टर संजीव पाण्डेय, एसडीएम राजेश शुक्ला, सृजन बर्मा, नगर निगम आयुक्त डी.के शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एन.के जैन, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुराग मोदी,खनिज अधिकारी ए.के राय, जिला परिवहन अधिकारी बिक्रम सिंह राठौर, महिला बाल विकास अधिकारी राजेश गुप्ता, जीएम प्रधानमंत्री सड़क अनूप मिश्रा, जिला शिक्षा अधिकारी एसबी सिंह, डीपीसी आर.एल शुक्ला, कार्यपालन यंत्री आरईएस मनोज बाथम, लोक सेवा प्रबंधकर रमेश पटेल सहित जिलाधिकारी, रेलवे के अधिकारी एवं एमपी आरडीसी के अधिकारी उपस्थित रहे।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना,क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

बालाजी मार्किट नया बाजार में नाली के पानी से दुकानों में आई दरारें, बिल्डिंग गिरने का खतरा

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। बालाजी मार्किट जो नया बाजार तथा बड़ा बाजार से लगीं एक मार्किट है। जहां नाली के पानी के रिसाव से दुकानों में दरारें आ रहीं हैं तथा बिल्डिंग गिरने का खतरा मंडरा रहा हैं। कपिल द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार बालाजी मार्किट नया बाजार शामली की नीव में पानी रिसाव हो जाने के कारण बिल्डिंग को खतरा है। इस बारे मे दुकानदारों को कई बार कहा गया कि नाली ठीक करानी है। इसके बावजूद कुछ दुकानदार नाली बनने नहीं देते क्योंकि उन्होंने अतिक्रमण किया हुआ है। अगर अतिक्रमण हट जाए तो नाली की मरम्मत करके इस समस्या से निजात मिलेगी। आगे बरसातें लगनी शुरू हो जाएगी इससे पूर्व ही अगर नाली को ठीक हो जाए तो इस खतरे को टाला जा सकता है लेकिन कुछ दुकानदार नहीं मानते कि यह समस्या हल हो। इस समस्या के समाधान से सभी को लाभ मिलेगा।

01 जुलाई 2024 से नवीन न्याय संहिता होगी लागू

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-कानून के संबंध में जागरूकता के लिए जिला प्रशासन द्वारा सेमिनार का किया जाएगा आयोजन ,01 जुलाई 2024 से नवीन न्याय संहिता लागू होगी । कानून के संबंध में जागरूकता के लिए जिला प्रशासन द्वारा सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। जिसके तहत संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में 24 जून, आडिटोरियम सूरजपुर में 25 जून, जिला पंचायत के सभाकक्ष में 26, 27, 28 जून एवं रेवतीरमन कॉलेज में जुलाई के प्रथम सप्ताह में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कलेक्टर व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने किया जिला जेल का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर-आज जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री गोविंद नारायण जांगडे, कलेक्टर श्री रोहित व्यास व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री एम आर आहिरे द्वारा जिला जेल का निरीक्षण किया गया। जहां उनके द्वारा कारागार में व्यवस्थाओं को लेकर उपस्थित संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली गई।बंदियों के बैरक में जाकर उनसे संवाद किया गया और उनकी समस्याओं को सुनते हुये उपस्थित संबंधित जेल अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। बीमार बंदियों के स्वास्थ्य संबंधी हाल-चाल लिये गये और रसोई घर का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीसीटीवी कैमरा, बैरकों की स्थिति, भोजनालय, स्नानागार, शौचालय, चिकित्सा व्यवस्था आदि बिन्दुओं पर बारीकी से अवलोकन किया गया। इस अवसर पर श्री डायमंड कुमार गिलहरे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, डाली ध्रुव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

'बाबा महाकाल के दर्शन करने आया हूं': अब पूर्व विधायक ने जारी किया वीडियो, बरेली फायरिंग मामले में हैं नामजद

बरेली में पीलीभीत बाईपास पर फायरिंग के मामले में नामजद प्रॉपर्टी डीलर राजीव राणा के बाद अब भाजपा के पूर्व विधायक राजेश मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल ने वीडियो जारी किया है। इसमें वह उज्जैन रेलवे स्टेशन के बाहर दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में पप्पू भरतौल कह रहे हैं कि बाबा महाकाल के दर्शन करने आया हूं। फायरिंग के मामले में नामजद अब भाजपा के पूर्व विधायक राजेश मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल ने वीडियो जारी किया है। इसमें वह उज्जैन स्टेशन के बाहर खड़े दिखाई दे रहे हैं। इनसे पहले रविवार सुबह आरोपी प्रॉपर्टी डीलर राजीव राणा ने वीडियो जारी किया था। इज्जतनगर क्षेत्र में पीलीभीत बाईपास रोड पर शनिवार को बजरंग ढाबा के पास प्लॉट पर कब्जे को लेकर प्रॉपर्टी डीलर राजीव राणा और मार्बल की दुकान के मालिक आदित्य उपाध्याय के गुटों में संघर्ष हुआ था। घटना में दोनों गुटों की तरफ से अंधाधुंध फायरिंग की गई, जिससे दहशत फैल गई थी। आगजनी और तोड़फोड़ भी हुई थी। घटना के बाद पुलिस ने आदित्य उपाध्याय व उसके बेटे अविरल उपाध्याय को गिरफ्तार किया। रात में राजीव राणा गुट के कई लोग पकड़े गए। वहीं आदित्य के चौकीदार की ओर से रिपोर्ट दर्ज करा दी गई। इसमें पूर्व विधायक भाजपा नेता पप्पू भरतौल व राजीव राणा समेत 12 लोग नामजद और 150 अज्ञात को शामिल किया गया है। रविवार की सुबह प्रॉपर्टी डीलर राजीव राणा ने वीडियो जारी कर खुद को निर्दोष बताया। दूसरे पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि मुझे आरोपी बनाया जा रहा है। हमने कोई गुनाह नहीं किया है। हम किसी जमीन पर कब्जा करने नहीं गए थे। वह हमारा प्लॉट है, जो विकास प्राधिकरण से स्वीकृत है। इसे हमने खरीदा था। मंत्री के पति पर भी लग रहे आरोप -राजीव ने आरोप लगाया कि इस प्लॉट पर मंत्री के पति कब्जा करना चाहते हैं। जो घटना घटी है, उसके पीछे बड़ा षडयंत्र था। मुझे आरोपी बनाकर मंत्री के पति इस प्लॉट को छीनना चाहते हैं। राजीव राणा के बाद फायरिंग मामले में नामजद पूर्व विधायक पप्पू भरतौल का वीडियो सामने आया है। उन्होंने खुद को उज्जैन में बताया। फायरिंग मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज होने पर भाजपा के पूर्व विधायक पप्पू भरतौल सफाई दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह शुक्रवार शाम ही बरेली से वृंदावन चले आए थे। यहां से उन्हें उज्जैन में महाकाल के दर्शन को जाना है। रविवार को जारी वीडियो में वह उज्जैन स्टेशन के बाहर खड़े दिखाई दे रहे हैं।

कार से बुलेट टकराने पर विवाद... सरेराह कपड़ा कारोबारी की गोली मारकर हत्या; कई राउंड फायरिंग से दहशत

मेरठ में कार से बुलेट टकराने पर विवाद हो गया। इस पर सरेराह कपड़ा कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। कई राउंड फायरिंग होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। हत्या के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजनों ने थाने पर हंगामा किया। मेरठ के लोहिया नगर थाना क्षेत्र की जाकिर कॉलोनी में शनिवार शाम कार से बुलेट टकराने के विवाद में कपड़ा कारोबारी की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई। कई राउंड फायरिंग होने से क्षेत्र में भगदड़ मच गई। आरोपी मौके से फरार हो गए। हत्या के बाद आक्रोशित परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए थाने पर जमकर हंगामा किया। जाकिर कॉलोनी निवासी 40 वर्षीय अनीस मलिक पुत्र यासीन मलिक कपड़े का कारोबार करता था। शनिवार शाम वह अपने चचेरे भाई फुरकान के साथ कार से कहीं जा रहा था। रास्ते में उनकी कार पड़ोसी इमरान मलिक पुत्र इरशाद मलिक की बुलेट से टकरा गई। इसे लेकर इमरान और अनीस के बीच कहासुनी और मारपीट हो गई। आरोप है कि इमरान ने अपने साथी रिजवान, आरिफ, साद और फुरकान को मौके पर बुला लिया। इन लोगों ने अनीस और फुरकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। एक गोली अनीस की आंख में जा लगी। आरोपी हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। सरेराह कई राउंड फायरिंग होने से लोगों में भगदड़ मच गई। मौके पर पहुंचे अनीस के परिजन उसे अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने अनीस को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा दिया। परिजन एकत्र होकर लोहिया नगर थाने पहुंच गए। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। देर रात करीब 12 बजे तक परिजनों की ओर से थाने में तहरीर नहीं दी गई थी। थाने पर हंगामा जारी था। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है कि आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल- अनीस के परिवार में पत्नी के अलावा दो पुत्र और दो पुत्रियां है। परिजनों को अनीस की हत्या की खबर मिली तो सभी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पत्नी रोते हुए बेसुध हो गई। परिजनों ने किसी तरह उसे संभाला।

पांचवें फैडरेशन कप ऑफ सैस्टोबॉल में पंजाब की टीम ने बाजी मारी

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा ।पदमावती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे दो दिवसीय, पाँचवीं फेडरेशन कप नेशनल सैस्टोबॉल चैंपियनशिप के अंतिम दिन मुख्यअतिथि गीता शर्मा भूतपूर्व हॉकी इंडिया प्लेयर एन 0ई 0आर 0रेलवे0 की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रधानाचार्य ममता सक्सेना ने पुष्प गुच्छ देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने अपने कर-कमलों से विजयी टीमों को प्रमाणपत्र व मैडल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर चेयरमैन पारुष, डायरेक्टर पार्थ अरोरा, प्रिंसिपल ममता सक्सेना व टीचिंग स्टॉफ मौजूद रहा। अंतिम दिन का परिणाम कुछ इस तरह रहा– पुरुष वर्ग में पहले स्थान पर पंजाब की टीम दबदबा रहा दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश की टीम ने कब्जा किया। तीसरे स्थान पर राजस्थान और हरियाणा की टीमों ने संयुक्त जीत हासिल की। महिला वर्ग में भी पहले स्थान पर पंजाब की टीम विजयी रही । दूसरे स्थान पर हरियाणा की विजयी रही। तीसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश और विदर्भ की टीमों ने संयुक्त रूप से जीत हासिल की। पुरुष वर्ग में पंजाब के हैरी बेस्ट शूटर महिला वर्ग में भी पंजाब की मुस्कान बेस्ट शूटर रहीं। इसी तरह पुरुष वर्ग में - बेस्ट डिफेंडर यू0 पी 0के जीतू और महिला वर्ग में हरियाणा की अंतिमा रहीं। सभी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।मुख्य अतिथि श्रीमती शर्मा ने अपने भाषण में कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि खिलाड़ी को बेहतर इंसान बनने में मदद करते है। दिमाग को सक्रिय रखने के साथ - साथ आत्मवविश्वास व आशावादी बने रहने की भावना को साकार करते है। चैंपियनशिप को सफल बनाने में कपिल भाटिया, सुमित शर्मा, यति ग्रोवर का सराहनीय सहयोग रहा। समापन समारोह कार्यक्रम का संचालन सुरुचि सिंह ने किया। चैंपियनशिप का समापन और मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करने के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन हुए स्कूल के चैयरमैन पारुष अरोरा ने कहा खेल जीवन के हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । खेल हमारे जीवन का अनिवार्य और अहम हिस्सा होना चाहिए।

यूपी के ये सीओ फिर से बनाए गए सिपाही... प्रेमिका के चक्कर में हो गया डिमोशन

उत्तर प्रदेश के उन्नाव से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां तैनात एक पुलिस अधिकारी का डिमोशन किया गया। उन्हें डिप्टी एसपी से सीधे कांस्टेबल बनाया गया है। उन्नाव के तत्कालीन सीओ कृपा शंकर कनौजिया की हरकतों के कारण पुलिस की छवि धूमिल हो रही थी। ऐसे में उनका डिमोशन कर अधिकारी से सिपाही बनाया गया है।उन्नाव के सीओ बीघापुर के पद पर तैनात रहे प्रमोटीपीपीएस कृपाशंकर कनौजिया को पीएसी में सिपाही के उनके मूल पद वापस भेज दिया गया है। तीन साल पहले कानपुर के होटल में महिला सिपाही के साथ पकड़े जाने पर उनको मुख्यमंत्री के आदेश पर निलंबित करने के साथ निरीक्षक के पद पर पदावनत भी किया गया था। उन्हें पीएसी गोरखपुर भेजा गया था। तत्पश्चात शासन ने विभागीय जांच में दोषी पाए जाने पर डीजीपी मुख्यालय को कृपाशंकर को उनके मूल पद पर वापस भेजने का आदेश जारी करने को कहा। एडीजी प्रशासन के निर्देश पर शनिवार को उन्हें गोरखपुर की 26वीं वाहिनी में वापस सिपाही बना दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, कृपा शंकर कनौजिया ने छह जुलाई 2021 को उन्नाव के पुलिस अधीक्षक से पारिवारिक परेशानी का हवाला देते हुए छुट्टी मांगी थी। छुट्टी मंजूर होने के बाद कृपा शंकर घर नहीं गए थे। वो कानपुर एक होटल में महिला सिपाही के साथ रुके थे। इस दौरान उन्होंने अपना सरकारी और निजी दोनों मोबाइल नंबर बंद कर लिया था। नंबर बंद आने की वजह से उनकी पत्नी परेशान हो गई। उन्होंने पुलिस ऑफिस से जानकारी की तो पता चला कि वो छुट्टी लेकर घर गए हैं, लेकिन घर नहीं पहुंचे। इस पर पत्नी ने उन्नाव एसपी से मदद मांगी। उन्नाव के एसपी ने सीओ कृपा शंकर की तलाश के लिए सर्विलांस टीम से जानकारी जुटाई। इस दौरान सामने आया कि सीओ कृपा शंकर कनौजिया का मोबाइल कानपुर के एक होटल में आकर बंद हो गया है। होटल में पुलिस ने जांच की तो सीओ और महिला सिपाही एक साथ मिले। होटल में एट्री करते हुए सीओ कृपा शंकर और महिला सिपाही सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए थे। राज्य सरकार (शासन) ने पूरे मामले की जांच कराई। इसके बाद कृपा शंकर कनौजिया को रिवर्ट कर फिर से कांस्टेबल बनाने की सिफारिश की। एडीजी प्रशासन ने सीओ को सिपाही बनाने का आदेश जारी किया है।

संक्षिप्त समाचार

सुरंग हादसे में मजदूर की मौत, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने परिजनों को दिया 50 लाख रुपये का चेक

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जलापूर्ति परियोजना के

तहत बनाई जा रही सुरंग के ढहने से हुए हादसे के मृतक राकेश यादव के परिजनों को रविवार को 50 लाख रुपये का मुआवजे का चेक सौंपा। बता दें कि 29 मई की रात वर्सोवा पुल के पास हादसा हुआ था।महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जलापूर्ति परियोजना के तहत बनाई जा रही सुरंग के ढहने से हुए हादसे के मृतक राकेश यादव के परिजनों को रविवार को 50 लाख रुपये का मुआवजे का चेक सौंपा। बता दें कि 29 मई की रात वर्सोवा पुल के पास हादसा हुआ था। ये सुरंग हादसा सूर्या परियोजना स्थल पर हुआ। जिसका उद्देश्य पीने के पानी को तेजी से मीरा भायंदर क्षेत्र में पहुंचाना है।मृतक के भाई को निजी फर्म में नौकरी की पेशकश- मुख्यमंत्री एकनाथ ने सीएम आवास पर मृतक मजदूर की पत्नी सुशीला, उनके पिता बालचंद्र, बच्चों रिशु और परी के साथ पहुंचे अन्य परिजनों को 50 लाख रुपए का चेक सौंपा। इस मामले में एक अधिकारी ने बताया कि 50 लाख रुपए में परियोजना के मालिक मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की ओर से 35 लाख रुपए और मुख्य निर्माण ठेकेदार एलएंडटी की ओर से 15 लाख रुपए शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राकेश के भाई दुर्गेश को निजी फर्म में नौकरी की पेशकश की गई है।17 दिनों तक चला तलाशी

भाजपा की समीक्षा बैठक में भिड़े कार्यकर्ता, जमकर हुई मारपीट; वीडियो हुआ वायरल

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक शुरू होते ही एक गुट इटवा विधानसभा क्षेत्र के एक कद्दावर नेता के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसके बाद दूसरे गुट ने भी नारेबाजी शुरू कर दी। मामला इतना बढ़ गया कि मारपीट होने लगी। किसी प्रकार मामला शांत हो गया लेकिन तनाव बना रहा। लोकसभा चुनाव को लेकर सिद्धार्थनगर जिले के इटवा विधानसभा क्षेत्र की 20 शाम को समीक्षा बैठक होनी थी। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक शुरू होता, इससे पहले भाजपाई आपस में भिड़ गए और एक-दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए नारेबाजी करने लगे।बात इतनी बढ़ी कि दोनों गुट आपस में मारामारी करने लगे। किसी ने मारपीट व हंगामा का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। जो चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता। लोकसभा चुनाव के बाद क्षेत्रीय महामंत्री व पर्यवेक्षक सुशील तिवारी, जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान के साथ 20 जून की शाम समीक्षा बैठक करने पहुंचे थे। बैठक अभी शुरू होती इससे पहले एक गुट ट ने दूसरे गुट गुट पर पर आरोप लगाया कि जिन्होंने लोकसभा चुनाव में साइकिल चलाई उनका समीक्षा बैठक है। बैठक शुरू होते ही एक गुट इटवा विधानसभा क्षेत्र के एक कद्दावर नेता के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। इसके बाद दूसरे गुट ने भी नारेबाजी शुरू कर दी। मामला इतना बढ़ गया कि मारपीट होने लगी। किसी प्रकार मामला शांत हो गया लेकिन तनाव बना रहा। कुछ लोगों ने मारपीट व हंगामा का वीडियो भी वायरल कर दिया। इस संबंध में भाजपा जिला अध्यक्ष कन्हैया पासवान से वार्ता की गई तो उन्होंने बताया कि वह बैठक में डाक बंगले में अंदर थे। बाहर क्या हुआ कौन भी बात किया इसके बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है।

KYUN NA LIKHUN SACH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

'Madhubani Painting' is a unique example of painting tradition, it has a deep connection with Ram-Sita

Many arts are becoming famous all over the world today as India's historical heritage. Madhubani painting is also included in these. These paintings made with bright colors and lines are well liked in the country and abroad. But how did this painting, which contains the history of India, start being made (Madhubani Painting History) and what is its specialty? Let's find out. Madhubani Painting started in Madhuban district of Bihar. This painting is made using natural colors. Nature and mythology are depicted in this painting. India is known all over the world for its rich culture. Whether it is about buildings or artifacts, such unique samples of these will be seen on the Indian platform, which if you see, it will be difficult to take your eyes off them. Many such arts are seen in every state here, whose beauty is impossible to give an example. A very great example of these unique artworks of India is the Madhubani painting of Madhubani district of Bihar, which is called Madhubani painting in English. Madhubani district has been the center of Maithili culture. This painting started in the Mithila region, so Madhubani painting is also known as Mithila Chitrakala or Mithila Painting. Starting from a small district, Madhubani painting has made its mark on the world stage today. India's arts lost their breath while fighting the attacks of invaders, looting and slavery. But despite being short-lived, Madhubani painting has not only preserved the history of Mithila, but has also immortalized it in the whole world. You must have seen this world famous painting, but very few people know how it originated and how it earned fame all over the world. Let's know the story of Madhubani painting. When did Madhubani painting begin? It is believed that Madhubani painting started during the Ramayana period. King Janak of Janakpur, who was the father of Goddess Sita, ordered to make this painting to capture the wonderful moments of Ram and Sita marriage in pictures. The women there started this painting on the walls and floor and many beautiful scenes of Ram-Sita marriage were created through this painting and this is how Madhubani or Mithila painting emerged. After this, the women of this region started making this painting on the walls and floor of their house on festivals and festivals. It started being made on every auspicious occasion like marriage, mundan, puja etc. It is not only seen in Madhubani, but also in other parts of Mithila, such as Darbhanga, Saharsa, Purnia and many parts of Nepal. Which colors are used? From the story of the origin of Madhubani painting, you can guess that due to its being so ancient, natural colours, such as colour extracted from plants and flowers, vermilion, rice paste etc. were used to make it and instead of brushes for painting, it is made from thin bamboo sticks. Apart from bamboo sticks, matchsticks and fingers are also used to make it. Due to the use of natural colours, this painting has a very deep connection with nature. Now chemical colours are used to make it and it is made on clothes, canvas etc., but earlier it was made only on walls and ground with natural colours. What does this painting depict? Along with the things used for this painting, the scenes depicted in it also give a feeling of being connected to nature. Seeing them, you will feel as if you yourself have merged in the lap of nature. Along with trees, plants, birds, animals etc., Madhubani paintings mostly show glimpses of mythological stories related to gods and goddesses. Because it is believed that it started with the marriage of Ram-Sita, therefore, to a large extent, only gods and goddesses are included in this painting. Tableaus of Ram-Sita marriage, Shiva-Parvati and Radha-Krishna are shown on it. A unique glimpse of Bihar's great festival Chhath is also seen in Madhubani painting. You will get to see glimpses of many such mythological stories and natural beauty through this painting. What is the specialty of this painting? Shading is not included while making this painting, that is, these pictures are made flat. Like other paintings, no attempt is made to show shadow or depth in them. Another specialty of this is that straight and crooked lines are used while making this painting. You can easily identify it due to the natural and bright colors of these pictures made with colorful lines. You can pay attention to one more thing to identify this painting. Empty space is not left anywhere in these paintings. After drawing the painting, the remaining spaces are filled using Bharni. Bharni refers to those shapes with which the empty spaces are being filled. Mostly flowers, leaves and creepers are used as Bharni. Which styles are used? To make this painting, along with Bharni, Tantric, Kohbar, Godna and Kachni styles are also used. Due to these complexities, the eyes are made at the end to highlight them in this painting. If you have ever seen Madhubani painting, then you will notice that even though the eyes look very simple in them, the most important attraction of that entire painting is the eyes made in it. Despite so many details, Madhubani painting makes the eyes feel so comfortable that you will feel peace and purity just by looking at it. What is the contribution of women? We tell you about another specialty of this painting, which will surprise you. You must have an idea of ??how thousands of years old the roots of patriarchy are. But even at that time, Madhubani painting was a form of art on which women dominated. The women of Mithila region started this painting and they also took it forward. The quality of making Madhubani painting has been taught as inheritance from mother to daughter and then to her daughter. Therefore, today when Madhubani is shining like a star in the field of art on the world stage, then women have played a very important role behind it. Even today, most of these paintings are made by women. Although, now many men have also started making it, but still most of the artists of Madhubani painting are women. How did it get recognition on the world stage? The journey of this painting, which started from a small area, to reach the international level has not been easy. Due to being made on the ground and walls, this painting could last for a very short time. As soon as the ground was cleaned or the wall was painted, its trace would be erased from there. But when the British came to India and saw the sample of this painting, they started making it on cloth and canvas for business. In this way, Madhubani gradually started becoming famous in foreign countries. After this, during the famine in the Mithila region, many women arranged for two meals a day in their homes through these paintings and today Madhubani painting is made not only on canvas, but also on clothes, bags, home decor pieces etc. Many local artists are earning their livelihood due to this painting. Madhubani painting is not only a tapestry of Bihar, but also of Indian culture and artistry. Known as an expression of the rich history and culture of this place, this painting is a bridge that connects our history to our present, whose flag is flying high across the world today.

If you do not want to be troubled by knee pain in old age, then start these 5 exercises from today

Due to knee pain, everyday life can become very difficult. Due to this, one has to face a lot of difficulties in getting up, sitting and walking. Although it is more common in the elderly, but now it is also seen in younger people. Therefore, to avoid this, you can do some exercises (Exercise for Knee Pain). Let's know about them. Nowadays, knee pain starts even at a young age. A major reason behind knee pain is not doing exercise. With the help of some easy exercises, you can keep your knees healthy. Increasing knee problems are becoming common in today's time. Usually, it keeps increasing with age. But nowadays people are surrounded by the problem of knee pain at a young age. Some of the main causes of knee problems can include increasing weight, muscle weakness, lack of flexibility and wrong posture. Common knee problems include arthritis, joint pain, knee swelling and knee stiffness. These problems cause pain, imbalance and difficulty in walking. Good diet, yoga, exercise, and some therapy can help reduce knee problems. In such a situation, if we are a little aware of ourselves and include some important exercises in our life, then we can protect ourselves from knee problems. So let's know about some exercises to keep the knees strong (Exercise for Knee Pain). Squats - Stand up and move the palms forward, keep the back straight and bend the knee at 90 degrees. Pull the stomach inwards and come down in a position like sitting straight. Like you sit on a chair. Repeat this eight to ten times. Lunges - Take a step forward, then take the other leg back and then bend both knees at 90 degrees. Bend down completely and come down on your knees. Make sure that your knees do not go forward. After this, move the legs together and then return to the first position. Repeat this 8-10 times. Step Up - Place one foot on a high platform, then climb on it and bring the other leg along with it. After this, bring the legs down one by one. Keep repeating this process for some time. Leg Extension - Sitting on the extension machine, adjust both the legs on the roller while holding the machine with your hands and take the knees to 90 degrees and then come back to your previous position. Repeat this for some time. Leg Press - Sit comfortably on the machine and then press the weight in front of the knees with the help of the bar of the machine. Come back slowly, make sure that the weight does not come on the knees, do not straighten the knees.

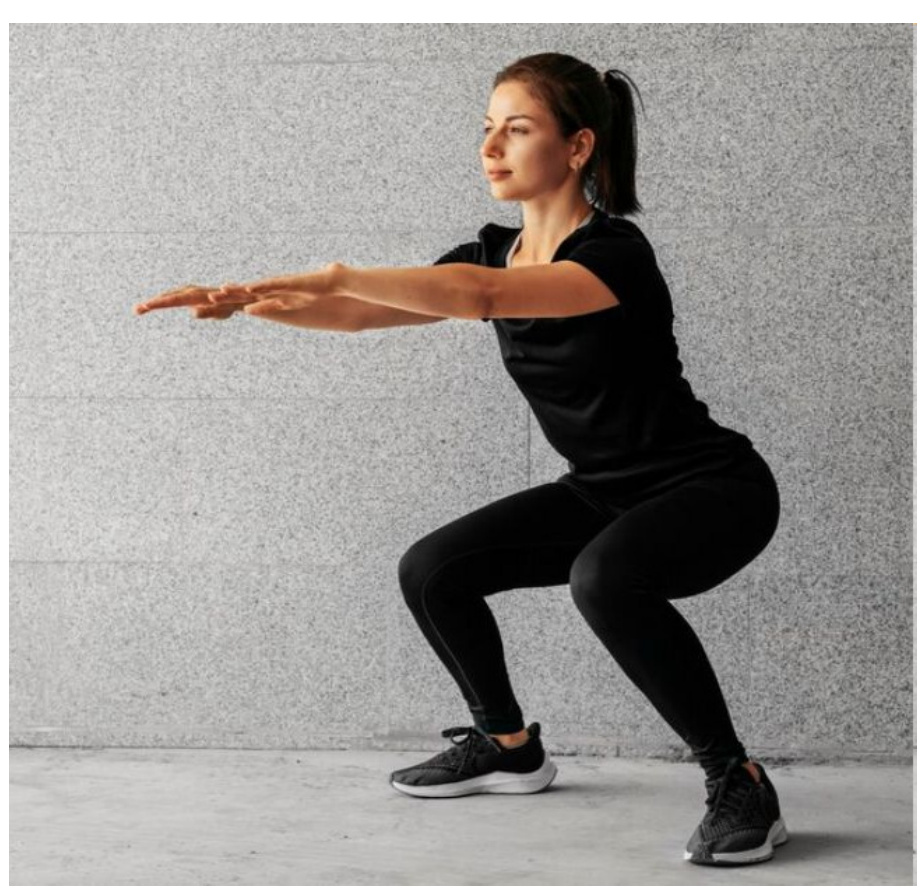

Why is Priyanka Chopra missing her husband Nick Jonas even when she is with her daughter and mother? Expressed love by sharing video

Priyanka Chopra keeps sharing updates of her personal and professional life with fans. The actress is busy shooting for The Bluff these days. Priyanka keeps sharing many videos of

herself and Malti from the set. Recently, Priyanka also got hurt during an action scene, the video of which she shared on social media. Priyanka shared a beautiful video with Malti Priyanka Chopra misses her husband away from home - seen having fun with daughter Priyanka Chopra is busy shooting for The Bluff these days. The actress is sweating a lot on the set and after shooting stunt scenes, she keeps sharing many updates of it with the fans. Let us tell you that Priyanka's daughter Malti is also with her on the shoot and she keeps entertaining the actress with her cute antics. Recently, the actress has shared a very beautiful video from the set in which she is seen playing and having fun with daughter Malti. Priyanka's mother Madhu Chopra is also seen in the video. Priyanka wrote a beautiful caption - Despite being around all these people, Priyanka is missing one person the most and that is Nick Jonas. Yes, while sharing this video, Priyanka made a special mention of her husband Nick Jonas in the caption. Priyanka wrote - 'My angel, my baby, my best friend, my godson, my brother from my second mother, my own mother, I have everyone who is like a family. They give you energy and keep you happy. Miss You Gaga Nick Jonas.' Let us tell you that Priyanka does not want to leave any stone unturned in her upcoming film at this time and is preparing hard for it. The actress had earlier also shared a picture of the injury she got during the stunt, in which the injury marks could be clearly seen on her face. What is the story of the film The Bluff, directed by Frank E Flower, is the story of a former female pirate (Priyanka's character). The woman has to protect her family while struggling with her mysterious past. Apart from PC, the film also stars Karl Urban, Ismael Cruz Cordova, Safia Oakley-Green and Vedanten Naidu in important roles.

First marriage broke in 5 years, secretly married second wife, now Bigg Boss winner is on honeymoon!

Munawar Faruqui has been in the news ever since he got married for the second time. Since the stand-up comedian's marriage, his second wife Mahjabeen Kotwala has been sharing photos with him every day. After marriage, Munawar and Mahjabeen have now gone abroad

to celebrate vacation. Mahjabeen has also shared photos on social media. Munawar Faruqui got married for the second time in May. Munawar's second wife is makeup artist Munawar Faruqui, winner of Bigg Boss 17, is a well-known stand-up comedian who got a lot of popularity from Lock Up Season 1. In this show, he had told the biggest secret of his life and that was of his first marriage. The actor had told that he is already married and the father of a child. There are problems in his marriage and he is going to separate soon. After this revelation, Munawar Faruqui was everywhere. Then when he came out, he made his relationship with Nazila official. After dating for years, Munawar Faruqui was accused of dating Nazila and Ayesha Khan together in Bigg Boss 17. Just a few months after winning the show, he secretly married makeup artist Mahjabeen Kotwala. Munawar Faruqui went to Dubai with his wife - Even after a month, Munawar Faruqui has not shared wedding photos with Mahjabeen, but his wife keeps giving all the updates through Instagram story in gestures. Sometimes she enjoys the match with him and sometimes has a pizza party. Recently, both of them reached Dubai after marriage. Mahjabeen has shared the photo. Mahjabeen shared the photo with Munawar - In the first photo shared on Instagram story, Mahjabeen is seen posing in style at Kotwala Airport. Along with the photo, she wrote, "Let's go." In one photo, she is sitting in the car and has a bouquet in her hands. Munawar is sitting in the front. Sharing the photo, Mahjabeen wrote, "Habibi in my favorite place." She has also made a heart emoji in front of Habibi. Let us tell you that Munawar Farooqui also has a show in Dubai on June 22. Along with enjoying vacation with his wife, he will also entertain the people of Dubai. Munawar Farooqui's first wife - Munawar Farooqui, who became the winner of Bigg Boss 17, was first married to a girl named Jasmine in the year 2017. However, their marriage did not last long and they separated in 2022. The comedian also has a son from Jasmine. Currently, Munawar's first wife is also married, which he himself revealed in the Bigg Boss house.

'Dulhan' Sonakshi Sinha performed Puja with her mother in 'Ramayana' before marriage, glimpse of wedding dress seen

Sonakshi Sinha is going to become a bride tomorrow. Sonakshi, who has been showing her acting skills for years, is starting a new phase of her life with long time boyfriend Zaheer Iqbal. Wedding rituals have also started at home. Before becoming Mrs from Miss, Sonakshi Sinha has performed Puja at her home. Sonakshi Sinha (Sonakshi Sinha Wedding) won everyone's heart with her acting in Hiramandi last month. Soon after garnering limelight with the characters of Faridan and Rehana, she is now in the news for her marriage. Sonakshi Sinha is going to become the wife of boyfriend Zaheer Iqbal. Both have been dating each other for the last 7 years. They also worked together in the film Double XL. Now both have decided to spend their lives together. Both are going to have a court marriage. Puja was held at Sonakshi Sinha's house - The wedding rituals of Sonakshi Sinha and Zaheer Iqbal started from June 21 itself. The bride's mehndi was on Friday and now a puja has been organized at her house. A day before the wedding, a puja was held at Sonakshi's house Ramayan, in which the bride-to-be was also seen. A video from Shatrughan Sinha's house Ramayan has surfaced on social media. In the clip, it can be seen that puja is being held at his house. Sonakshi Sinha's mother Poonam is seen reciting the hymn. The bride-to-be is also sitting next to her, whose slight glimpse was captured in the camera. Sonakshi Sinha's wedding outfit - Another video has surfaced from outside Ramayan's house in which a glimpse of the bride-to-be's wedding outfit was seen. In the clip, it can be seen that many outfits were taken out from the car for the wedding. One outfit is of peach colour, one is of beige colour sherwani and one is of sky blue colour. After the court marriage of Sonakshi Sinha and Zaheer Iqbal, there will be a wedding reception on 23rd June, which will be hosted at Bastian in Mumbai. This was revealed by Shatrughan Sinha himself.